श्रावण कृष्ण - 14 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 24 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 15-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार 15 अगस्त 2023 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2023 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

द्रमुक पार्षद के हत्यारों को तलाश रही तमिलनाडु पुलिस

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले की पुलिस ने वडाकुर इलाके में एक स्थानीय द्रमुक पार्षद की हत्या में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया है। द्रमुक के पंचायत पार्षद राजमणि की रविवार शाम उस समय हत्या कर दी गई, जब वह अपनी बकरियां चराकर घर लौट रहे थे। हत्या के बाद इलाके में विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया है। हालाँकि पुलिस ने अभी तक हत्या के कारण पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन व्यापक रूप से माना जा रहा है कि यह व्यक्तिगत दुश्मनी का नतीजा है। वडाकुर में इस समय भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। जिले में मध्यवर्ती जाति के छात्रों के एक समूह ने 9 अगस्त को अपने दलित सहपाठी के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

उच्चतम न्यायालय का गोधरा ट्रेन अग्निकांड के तीन दोषियों को जमानत से इनकार

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे तीन दोषियों को सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 17 वर्षों से न्यायिक हिरासत में बंद तीनों दोषियों की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की हत्या का मामला नहीं है। यह घटना बहुत ही गंभीर है। इसलिए हम इस मामले में इस स्तर पर जमानत देने के इच्छुक नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने हालांकि दोषियों की याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए इसे एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

15-08-2023 सूर्यास्त 6:30 बजे	16-08-2023 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
65,401.92	19,434.55
(+79.27)	(+6.25)

सोना	चांदी
6,183 रु.	77,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी ही आजादी

दल वालों को दूजे दल में,
आने-जाने की आजादी।
भ्रष्टों के मुंह में खून लगा,
उनको खाने की आजादी।
नेताओं को बस येनकेन,
सत्ता पाने की आजादी।
हो भले बेसुरी राग मगर,
सबको गाने की आजादी।।

हर मोर्चे पर तेजी से दौड़ रहा है देश : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ रहा है और मुश्किल समय में जहां अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं नाजुक दौर से गुजर रही हैं वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरे देशों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है।

श्रीमती मुर्मु ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और कहा,स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, मैं भारत के नागरिकों के साथ एकजुट हो कर सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके असंख्य बलिदानों से, भारत ने विश्व समुदाय में अपना स्वाभिमान-पूर्ण स्थान फिर से प्राप्त किया। स्वतंत्रता संग्राम में नारी शक्ति के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मातंगिनी हाजरा और कनकलता बरुआ जैसी वीरांगनाओं ने भारत माता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिये। माँ कस्तूरबा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर सत्याग्रह के मार्ग पर चलती रहीं। सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ़-अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं। महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने तथा विकसित राष्ट्र बनने के लिए देश हर मोर्चे पर तेजी से आगे बढ रहा है और दूसरे देशों के लिए भी उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा, हमारा देश सभी मोर्चों पर अच्छी प्रगति कर रहा है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है। विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं नाजुक दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के कारण हुए आर्थिक संकट से विश्व-समुदाय पूरी तरह बाहर नहीं आ पाया था कि अंतर-राष्ट्रीय पटल पर हो रही घटनाओं से अनिश्चितता का वातावरण और गंभीर हो गया है। इसके बावजूद हमारी सरकार ने कठिन परिस्थितियों का अच्छी तरह सामना किया है और चुनौतियों को अवसरों में बदला है। सकल घरेलू उत्पाद में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि किसानों ने आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और राष्ट्र उनका ऋणी है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और उनकी पत्नी श्रीमती सोनल शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

भारत शांति का पक्षधर, लेकिन दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम : राजनाथ

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है लेकिन यदि कोई दुश्मनी का भाव रखते हुए गलत नजरों से देखता है तो भारतीय सेना उसका मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

सिंह ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को आकाशवाणी के माध्यम से सशस्त्र सेनाओं के जवानों को संबोधित करते हुए कहा , एक राष्ट्र के रूप में हमारे प्राचीन सिद्धांत पूरी दुनिया को यह संदेश देते हैं, कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है। हम न सिर्फ शांति चाहते हैं, बल्कि अपने कार्यों से शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर करते हैं। लेकिन साथ ही साथ हम इस बारे में भी बिल्कुल स्पष्ट हैं, कि यदि कोई गलत मंशा से, या दुश्मनी का भाव लिए हमारी ओर देखने की भी जुर्रत करता है, तो हमारी सेनाएँ उसका मुंहतोड़ जवाब देंगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। सशस्त्र सेनाओं को नई चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सशक्त, और क्षमतावान बनाने की जरूरत है इसलिए सरकार शुरू से ही सेनाओं को विश्वस्तरीय उपकरणों, हथियारों तथा प्रशिक्षण से लैस करने में लगी है।

हिमाचल में बादल फटने और भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/वार्ता। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच भारी बारिश से तबाही का दौर जारी है। राज्य जगह-जगह बादल फटने तथा भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लापता हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार आपदा के कारण राज्य में 752 सड़कें बंद हैं। कालका-शिमला रेल मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जगह-जगह बादल फटने और भूस्खलन से अब 51 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 30 लोग मलबे में दबने और बहने से लापता हैं। मंडी जिले में 18, राजधानी शिमला में 14, सोलन में 11, कांगड़ा-हमीरपुर में क्रमशह 3-3, चंबा और सिरमौर में क्रमश: एक-एक व्यक्ति की जान गई है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर दुख जताया है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ से हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने लोगों से आपदा में सतर्क और सुरक्षित रहने का आग्रह किया हैं। उन्होंने मंडी, शिमला और दूसरे स्थानों में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से हुई दर्दनाक मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों से संवेदना प्रकट की हैं।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की तस्वीर वाले फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट पर कानूनी कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की तस्वीर के साथ गलत इरादे और शर्तपूर्ण तरीके से उनके द्वारा जनता को 'तानाशाही' सरकार के खिलाफ एकजुट होकर सड़कों पर उतरने की लोगों से की गई अपील वाले फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शीर्ष अदालत के जनसंपर्क कार्यालय ने सोमवार के मामला सामने आने के बाद एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि यह सोशल मीडिया पोस्ट फर्जी है। यह गलत इरादे और शरारतपूर्ण कार्य है।

बयान में कहा गया है यह पोस्ट न तो मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ द्वारा और न ही उनके द्वारा अधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी की गई थी।

बयान में यह भी कहा गया है कि सोमवार को सोशल मीडिया और मैसेंजर ऐप्स पर प्रसारित एक फर्जी खबर का पता चला, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ को उद्धृत किया गया है। जनसंपर्क कार्यालय ने कहा है कि संबंधित विभागों की ओर से इस मामले में उचित कार्रवाई की जा रही है।

'चंद्रयान-3' चंद्रमा की सतह के और नजदीक पहुंचा

बेंगलूरु/भाषा। भारत का महत्वाकांक्षी तीसरा चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' सोमवार को कक्षा में नीचे लाए जाने की एक और सफल प्रक्रिया से गुजरने के साथ ही चंद्रमा की सतह के और नजदीक पहुंच गया।

बेंगलूरु में स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि चंद्रयान-3 अब चंद्रमा की निकटवर्ती कक्षा में पहुंच गया है।

'चंद्रयान-3' का प्रक्षेपण 14 जुलाई को किया गया था और पांच अगस्त को इसने

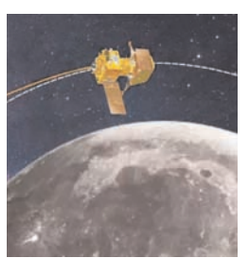

चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था। इसके बाद छह और नौ अगस्त को चंद्रयान को कक्षा में नीचे लाए जाने की दो प्रक्रियाओं को अंजाम दिया गया।

इसरो ने ट्वीट किया, चंद्रयान को चंद्रमा की सतह के नजदीक लाने की प्रक्रिया शुरू। आज की गई प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 150 किमी ु 177 किमी रह गई है।

उसने बताया कि अगली प्रक्रिया को 16 अगस्त को सुबह करीब साढ़े आठ बजे अंजाम दिए जाने की योजना है।

इसरो ने अभियान के आगे बढ़ने पर चंद्रयान-3 की कक्षा धीरे-धीरे घटानी शुरू की तथा उसे चंद्र ध्रुव के समीप लाने की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया।

महावीर के उपदेशों को मिली वैश्विक मान्यता : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि व्यसन-मुक्ति के संकल्प के साथ ही दो हजार वर्ष पूर्व ओसियां में ओसवाल जैन समाज की स्थापना हुई थी। ओसिया की सभी जातियों ने व्यसन-मुक्त जीवन अपनाकर सफलता व समृद्धि का पथ चुना और मानवमात्र को इस सुपथ पर चलने की प्रेरणा दी है। श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ द्वारा यहां कोरुक्कुपेट स्थित ओसवाल गार्डन में आयोजित स्याद्वाद व्याख्यानमाला के प्रथम दिन सोमवार को उन्होंने कहा कि समाज, देश और पर्यावरण को बचाने में जैन समाज के व्यसन-मुक्ति आंदोलन का ऐतिहासिक योगदान है। शिकार व्यसन के बारे में डॉ. धींग ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र के 18वें अध्याय में भगवान महावीर ने 2600 वर्ष पूर्व शिकार छोड़ने का उपदेश दिया था। आज दुनिया के सभी देशों में शिकार के विरुद्ध कानून बने हैं, यह भगवान महावीर के उपदेशों को वैश्विक मान्यता है।

कोविड जैसी महामारियां, बीमारियां, आतंक और प्रदूषण के चलते अब मांसाहार व्यसन के नुकसान भी इंसान समझने लगा है। डॉ. धींग ने कहा कि जैनों ने मांसाहार और शिकार के विरुद्ध अभियान चलाकर हजारों वन्य प्राणियों, दुर्लभ प्रजातियों और वनों की रक्षा की। यदि यह बात पहले ही मान ली होती तो खर्चीले टाइगर प्रोजेक्ट की जरूरत ही नहीं पड़ती। इससे पूर्व स्वाध्यायी अशोक रांका ने राजस्थानी भाषा में प्रमाद और आलस्य का भेद बताया। संघ अध्यक्ष गौतम श्रीमाल ने सभा का संचालन किया। 15 अगस्त को डॉ. धींग स्वतंत्रता आंदोलन में जैनों का योगदान विषय पर व्याख्यान देंगे।

श्याम बाबा के भजन एवं कीर्तन का आयोजन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्रवाल सभा चेन्नई द्वारा अन्ना नगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री श्याम बाबा के भजन एवं कीर्तन का आयोजन किया गया है। अग्रवाल सभा के महासचिव जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सायंकाल 5 बजे से किया जाएगा तथा रात्रि 8 बजे कार्यक्रम का समापन होगा। तत्पश्चात आगंतुक बाबा के भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी उन्होंने सभी अग्रबंधुओ से सपरिवार कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बाबा के भक्ति का लाभ लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि संगीतमय श्याम बाबा के भजन एवं कीर्तन के लिए भजन गायक हजारीलाल इंदौरिया, रवि शर्मा, राजेश शर्मा, मनोज सैनी, जस्सी सैनी अपनी भजन मंडली के साथ श्री श्याम दरबार सूरजगढ़ धाम से चेन्नई पधार रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभा अध्यक्ष इंद्रराज बंसल अपनी टीम के साथ तैयारियों में लगे हुए हैं।

उत्तर भारतीय परिवारों हेतु राशन सहायता सामग्री का वितरण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री कलिंगर करुणानिधि के शताब्दी समारोह के अवसर पर साहूकारपेट के मिंट स्ट्रीट स्थित चंद्रपुरी जैन भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में हिंदू धार्मिक एवम धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पीके शेखर बाबू, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्यारेलाल पितलिया, लाइफ सेल इंटरनेशनल के चेयरमैन अभयकुमार श्रीश्रीमाल तथा वार्ड नंबर 57 से द्रमुक पार्षद राजेश जैन रंगीला, शांतिलाल राजपुरोहित की उपस्थिति में 300 से अधिक उत्तर भारतीय परिवारों को राशन सहायता सामग्री का वितरण किया गया। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार द्वारा सभी वर्गो का कल्याण के लिए इस तरह के कार्यक्रम अनवरत आयोजित किए जा रहे हैं।

चौरासी कोस ब्रजमंडल परिक्रमा की कथा में नंदोत्सव में झूमा वैष्णव समाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चौरासी कोस ब्रज मंडल परिक्रमा के चौथे दिन सोमवार को कथा में नंदोत्सव और सात झूलों में सात निधि स्वरूप में सम्पन्न हुई। डीजी वैष्णव कालेज के द्वारका हॉल में गोस्वामी 108 श्री यदुनाथजी महोदयश्री ने परिक्रमा को आगे बढाते हुए बताया कि हम चाहे जहां भी हो पर मन से तो ब्रज में ही है। ब्रज ऐसा है कि वह अपनी ओर सभी को खींचता है। ब्रज में रहने का सुख अवर्णनीय है। सुबह 51 कुंडीय यज्ञ हवन का आयोजन किया गया जिसमे 51 वैष्णव जन जोड़े के साथ पधार कर भाग लिया। पुरुषोत्तम मास में भगवत सहस्र नाम के साथ हवन का पुण्य लाभ लेते हुये सायं 3 बजे से पावन परिक्रमा कथा शुरू हुई। आज के मुख्य मनोरथी प्रवीण माहेश्वरी और सह मुख्य मनोरथी श्रेया मूंधड़ा और अशोक कुमार मूँधड़ा ने गोस्वामी जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आज अशोक केडिया और प्राचार्य महोदय डॉ संतोष बाबू ने भी सपत्नीक गोस्वामी जी का स्वागत कर भेंट अर्पित की। शाम तक चली इस कथा ने सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया। तत्पश्चात नन्द महोत्सव और झुलोत्सव ने जन समूह को ब्रज परिक्रमा का सच्चा एहसास कराया। उत्सव और आरती के बाद श्रीनाथ सत्संग ट्रस्ट द्वारा उपस्थित सभी भक्तों को महाप्रसादी का लाभ दिया।

विप्र फाउंडेशन ईरोड़ चेप्टर द्वारा सुंदर कांड पाठ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईरोड़। यहां विप्र फाउंडेशन जोन 17 के ईरोड़ चेप्टर द्वारा रविवार को राम मंदिर के एएस नगर में संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में मातृ शक्ति व विप्र बंधुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। सुंदर कांड के पश्चात महाआरती व महाप्रसादी हुईं। अध्यक्ष शंकरलाल रावल ने विफा के युवा कार्यकर्ताओं को सुंदर व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया। सचिव चेतन सिह राजपुरोहित ने पधारे सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रमेश बोहरा, विजयनारायण बोहरा, नरेश बोहरा, परमानंद पालीवाल, जेठमल पालीवाल, गुमानसिंह राजपुरोहित, परबत सिंह राजपुरोहित, भुपेन्द्र रावल, हरिश रावल, संतोष पारीक, दिनेश दाधिच, शैलेश बोहरा व विप्र युवा प्रकोष्ठ के बंधुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। यह जानकारी विप्र फाउंडेशन जोन 17 के प्रदेशाध्यक्ष डॉ श्रवण बोहरा ने दी।

नीलकंठ महादेव मंदिर में महादेव का रुद्राभिषेक हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रविवार को पुझल के शक्तिवेल नगर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर के सभागार में श्री शक्ति सनातन धर्म मंडल चेन्नई के तत्वावधान में पुरुषोत्तम श्रावण मास महोत्सव संपन्न हुआ। देवाधिदेव महादेव की रुद्राभिषेक किया गया। जिसमें 108 से भी अधिक यजमानों ने विधिवत पूजा और अर्चना किया। 71 विद्वानों के सान्निध्य में विधिवत मंत्रोच्चारण के तहत पंडितों के द्वारा 3300 से भी अधिक शिवलिंगों का पूजा अर्चना की गई। शक्तिवेल नगर के नीलकंठ महादेव मंदिर के प्रांगण समेत पूरे इलाका भक्तिमय में नजर आ रहा था।

महादेव की रुद्राभिषेक के लिए चेन्नई के अलग-अलग इलाकों से यजमान अपने निजी वाहनों से मंदिर परिसर में दाखिल हुए रायपुरम, एमकेबी नगर, पुंदमली, शोलावरम, माधवरम, सूरापेट, कोडिंगयूर, पुझल आदि इलाकों से यजमानों ने रुदाभिषेक में भाग लेकर शक्तिवेल नगर के फिजाओं को धार्मिक बना दिया। पंडित आचार्यश्री अवधेश पाठक के नेतृत्व में हो रहे इस कार्यक्रम में भजन गायक पंकज सिंह, सीताराम दुबे एवं अन्य सहयोगियों ने भोलेनाथ के महिमा का गुणगान भजन कीर्तन के जरिए किया। हालांकि बारिश ने कार्यक्रम के अंत में खलल डालने का कोशिश किया बावजूद इसके यह आयोजन सफल रहा।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने विभाजन भयावह स्मृति दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विभाजन की त्रासदी और विभाजन के दौरान पीड़ित लोगों की पीड़ा को उजागर करने के लिए चेन्नई डिवीजन ने 14 अगस्त को विभाजन भयावह स्मृति दिवस मनाया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, प्रमुख रेलवे स्टेशनों जैसे डॉ.एमजीआर चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, चेन्नई बीच, तांबरम, चेंगलपट्टू, अराक्कोनम, काटपाडी, जोलारपेट्टई, तिरुवल्लूर, गुडियाट्टम, तिरुवन्निकेनी और वेलाचेरी रेलवे स्टेशनों पर 1947 में विभाजन की भयावहता को दर्शाताते विशेष फोटो प्रदर्शनी गैलरी स्थापित की गई है। डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर फोटो प्रदर्शनी गैलरी का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर उन्नी नायर द्वारा किया गया है। चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ एरीया, एडीआरएम/एमएएस तेज प्रताप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उद्घाटन में भाग लिया।

विभाजन भयावह स्मृति दिवस के अवसर को चिह्नित करने के लिए चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत थे उत्सव के दौरान बजाया गया और इस कार्यक्रम का जश्न मनाने के लिए जनता और यात्रियों के लिए 12 स्टेशनों पर सेल्फी पॉइंट लगाए गए हैं।

मां दाधिमति सेवा धाम में पारितोषक वितरण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास दाहिमा ब्राह्मण महासभा ट्रस्ट के अंतर्गत मां दाधिमति सेवा धाम के शिक्षा कोष के अंतर्गत पारितोषक वितरण समारोह का आयोजन दाहिमा भवन में किया गया।

इस मौके पर समाज के होनहार 156 विद्यार्थियों को जो अपनी शैक्षिणक कक्षा में उत्तीर्ण रहे का सम्मान किया गया। पहली कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी समाज के बच्चों का सम्मान किया गया।

इसके अलावा लेखन, वाक, खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी का उत्साह देखते बना। वहीं समाज के होनहार युवा कार्तिक तिवारी को चार्टर्ड एकाउन्टेंट और यश दाहिमा को एडवोकेट बनने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

यह जानकारी देते हुए नारायण दाहिमा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जुगलकिशोर खटोड़ व्यास, न्यासी रघुनाथ हिंसोडिया, वेंकटेश दाहिमा, अध्यक्ष विनोद व्यास, उपाध्यक्ष शिवपाल मिसर, सहमंत्री कमल तिवारी, कोषाध्यक्ष नवरत्न व्यास सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

कांकरिया गेस्ट हाउस में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व 14 से 21 अगस्त तक किलपॉक के आयशा अस्पताल वाली गली स्थित कांकरिया गेस्ट हाउस में मनाया जाएगा। श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि अंतगढ़ सूत्र के मूल व अर्थ वांचन के संग जैन दर्शन के मूर्धन्य विद्वान महावीर जैन विद्यापीठ, जलगांव के प्राचार्य प्रकाशचंद जैन व युवा स्वाध्यायी रत्न विनोद जैन स्वाध्यायी के रुप में मार्मिक उद्बोधन देंगे। राइय प्रतिक्रमण पुछिसुणं, अंतगढ सूत्र मूल व अर्थ वांचन, उत्दबोदन, तीर्थंकर चालीसा, वीर गुण गौरव गाथा, संयम चालीसा, तत्व चर्चा देव-गुरु-धर्म भक्ति, थोकडे, देवसिय प्रतिक्रमण, ज्ञान चर्चा, प्रतियोगिताएं आदि कार्यक्रम दैनिक रुप से होंगे। अष्ठ दिवसीय साधना आराधना कार्यक्रम में श्रावक संघ, तमिलनाडु के अध्यक्ष प्रेमकुमार कवाड़, युवक परिषद के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल, श्राविका मण्डल व कार्यक्रम संयोजकगण मदनलाल बोहरा, नवरतनमल बागमार, संजय चोरडिया, निखिल बागमार, हंसराज बागमार के संग किलपाक संघ, युवक संघ, महिला मण्डल के पदाधिकारीगण के संग चेन्नई महानगर से अनेक श्रदालु श्रावक- श्राविकाओं की उपस्थिति रहेगी। श्रावक संघ की ओर से एकासन, बियासन, आयम्बिल, नीवी सामायिक साधना के संग अष्ठ दिवसीय साधना करने वालों के लिए आवासीय व्यवस्था भी रहेगी।

वेंकटेश प्रसाद ने भारतीय टीम की आलोचना की, कहा जीत की भूख और जज्बे की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सोमवार को हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली टीम की वेस्टइंडीज के हाथों टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मिली हार की आलोचना करते हुए कहा कि यह बहुत ही सामान्य सीमित ओवरों की टीम है, जो भ्रम में जी रही है। वेस्टइंडीज ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला जीत ली जबकि मेहमान टीम ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर ली थी। प्रसाद हाल के समय में टीम के बारे में अपनी राय देने में काफी मुखर रहे हैं और वह इस नतीजे से काफी नाराज दिखे।

प्रसाद ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, भारतीय टीम पिछले कुछ समय से बहुत ही सामान्य सीमित ओवर की टीम रही है। कुछ महीने पहले टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही वेस्टइंडीज टीम ने उन्हें हरा दिया। हम वनडे श्रृंखला में बांग्लादेश से भी हार गये। उम्मीद करता हूं कि वे कोई भी बेवकूफी भरा बयान देने के बजाय आत्ममंथन करेंगे।

हालांकि वेस्टइंडीज की टीम हाल में 2023 आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही, लेकिन वह हमेशा ही छोटे प्रारूप में मजबूत टीम रही है। वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी20 विश्व कप के कुछ चरण जीते भी हैं और मौजूदा रैंकिंग में टीम सातवें स्थान पर काबिज है जबकि भारतीय टीम शीर्ष पर है।

मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई ईडी की हिरासत में

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई वी. अशोक कुमार को हिरासत में ले लिया है। ईडी ने पूछताछ के लिए अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए अशोक कुमार को कई नोटिस दिए थे। लेकिन उन्होंने नोटिस को नजरअंदाज कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने रविवार को अशोक कुमार को कोच्चि से हिरासत में लिया और फिर उन्हें चेन्नई ले जाया गया। उन्हें सोमवार को चेन्नई सेशन कोर्ट में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में करूर में 2.5 एकड़ की संपत्ति जब्त की थी, जहां अशोक कुमार की पत्नी निर्मला के नाम पर एक विशाल हवेली का निर्माण किया गया था। ईडी ने सेंथिल बालाजी के खिलाफ अपने हालिया 3000 पेज के आरोप पत्र में भी उल्लेख किया है कि अशोक कुमार मंत्री के सभी वित्तीय लेनदेन के लिए मुख्य लिंक में से एक हैं। सूत्रों नेबताया कि ईडी ने भाइयों द्वारा किए गए बड़े लेनदेन की तह तक पहुंचने के लिए सेंथिल बालाजी के साथ अशोक कुमार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सेंथिल बालाजी को पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रहते हुए परिवहन विभाग में नौकरी दिलाने के लिए पैसे लेने के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय ने 14 जून को गिरफ्तार किया था। ईडी ने उन पर पीएमएलए एक्ट के तहत आरोप लगाए हैं।

आत्महत्या की नीट संबंधी घटना के बाद स्टालिन की सलाह

जीवन की कठिनाइयों का आत्मविश्वास से सामना करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के एक परीक्षार्थी के कथित रूप से आत्महत्या करने की घटना के मद्देनजर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने युवाओं से सोमवार को अपील की कि वे आत्महत्या के बारे में सोचने से बचें और जीवन की कठिनाइयों का आत्मविश्वास के साथ सामना करें। स्टालिन के बेटे और कैबिनेट मंत्री उदयनिधि ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि नीट के खिलाफ 'कानूनी संघर्ष' जारी रहेगा।

स्टालिन ने नीट संबंधी छूट से जुड़े तमिलनाडु विधानसभा के प्रस्ताव पर राज्यपाल आर एन रवि की टिप्पणी का जिक्र करते हुए दावा किया कि कुछ महीनों में 'राजनीतिक बदलाव' होने पर नीट द्वारा खड़ी की गई बाधाएं ढह जाएंगी। उन्होंने कहा, 'फिर वे लोग गायब हो जाएंगे, जो कहते हैं कि मैं हस्ताक्षर नहीं करूंगा।'

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने कहा था कि वह तमिलनाडु सरकार के नीट विरोधी विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देंगे। इस विधेयक को अभी राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। स्टालिन ने यहां जारी एक बयान में कहा, मैं छात्र जगतीश्वरन और उसके पिता सेल्वाशेखर की मौत की घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कामना की कि नीट के कारण अब और किसी की मौत नहीं हो।

शहर का क्रोमपेट निवासी जगतीश्वरन पहली कोशिश में नीट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाया था। मुख्यमंत्री ने जगतीश्वरन की मौत पर शोक जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह उसके परिवार को सांत्वना कैसे दें। स्टालिन ने कहा, जगतीश्वरन के पिता सेल्वाशेखर ने भी अगले दिन आत्महत्या कर ली। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं उसके परिवार एवं मित्रों को कैसे सांत्वना दूं।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई में होशियार जगतीश्वरन के माता-पिता अपने बेटे को एक चिकित्सक बनते देखना चाहते थे, लेकिन वह नीट परीक्षा की वेदी पर चढ़ने वाले पीड़ितों की सूची में शामिल हो गया, जो कि एक बहुत भयानक घटना है। राज्य में पिछले कुछ साल में नीट संबंधी आत्महत्या के कथित रूप से कई मामले सामने आए हैं।

स्टालिन ने एक बयान में कहा, 'मैं अपील करता हूं कि कोई भी छात्र किसी भी परिस्थिति में अपनी जान लेने का कभी फैसला नहीं करे। आपके विकास में बाधा नीट को रद्द किया जाएगा। राज्य सरकार इस दिशा में कानूनी पहल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।' उन्होंने तमिलनाडु को नीट से छूट देने की मांग करने वाले विधानसभा के प्रस्ताव का जिक्र करते हुए कहा कि राज्यपाल ने पहले प्रस्ताव को लौटा

दिया और दूसरा प्रस्ताव मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि राज्यपाल रवि विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल देना चाहते हैं। नीट परीक्षा महंगी हो गई है और इसका खर्च केवल अमीर लोग ही उठा सकते हैं।' उन्होंने दावा किया कि जो लोग बड़ी रकम खर्च करके पढ़ाई नहीं कर सकते, वे परीक्षा में असफल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि हालत ऐसी हो गई है कि मेडिकल की शिक्षा उन्हीं लोगों के लिए है, जिनके पास पैसा है।

स्टालिन ने कहा, इसके बावजूद राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों के गरीब छात्रों के लिए मेडिकल कॉलेज में 7.5 प्रतिशत आरक्षण लेकर आई, लेकिन राज्यपाल समझ नहीं रहे। ऐसा संदेह है कि वह कोचिंग संस्थाओं की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रवि पर छात्रों को आमंत्रित करके राजभवन में कक्षाएं आयोजित'' करने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्यपाल ने शनिवार को एक संवाद के दौरान एक छात्र के पिता द्वारा सवाल किए जाने पर यह कह कर अपनी अज्ञानता का परिचय दिया'' कि वह नीट छूट विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। स्टालिन ने कहा, इस विधेयक को उनके हस्ताक्षर का इंतजार नहीं है। यह राष्ट्रपति के पास है। जहां तक इसका सवाल है, तो राज्यपाल के पास इस मामले में कोई अधिकार नहीं है, जबकि वह दिखा ऐसा रहे हैं कि उनके पास अधिकार हैं। जगदीश्वरन की तरह चाहे कितने भी लोगों की जान चली जाए, राज्यपाल आर एन रवि का दिल नहीं पिघलेगा। उन्होंने कहा, नीट के कारण होने वाली यह आखिरी मौत हो। एक उज्ज्वल भविष्य आप छात्रों का इंतजार कर रहा है। आत्मविश्वासी बनिए। जीवन जिएं तथा अन्य लोगों को भी जीने दें। मैं आपसे एक बार फिर अनुरोध करता हूं कि आत्महत्या करने के बारे में सोचने की प्रवृत्ति से दूर रहें।

पुलिस ने बताया कि जगतीश्वरन (19) ने शनिवार को कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी और उसके पिता का शव भी रविवार को उनके आवास में फांसी पर लटकता मिला था। इस बीच, युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि ने पिता-पुत्र की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान राज्यपाल की नीट संबंधी टिप्पणी की आलोचना की और कहा कि राज्य विधानसभा ने इस परीक्षा के खिलाफ दो बार प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि नीट के खिलाफ हमारा कानूनी संघर्ष जारी रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भी परीक्षार्थी एवं उसके पिता की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्रों के इस तरह के कदम से उनके माता-पिता को जीवन भर का दुख मिलेगा। उन्होंने ट्वीट किया कि स्कूलों में परीक्षाएं नहीं रुकतीं और छात्रों को कई स्तरों पर उनका सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अन्नामलाई ने कहा, यह सुनिश्चित करना माता-पिता का कर्तव्य है कि बच्चे सामाजिक दबाव का शिकार न बनें। हर बच्चा एक विशेषता के साथ पैदा होता है और कोई किसी का अवसर नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि बच्चों की, अंकों को लेकर एक-दूसरे से तुलना नहीं की जानी चाहिए।

मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एमडीएमके) नेता वाइको ने पिता-पुत्र की मौत की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने नीट पर अड़ियल, 'निरंकुश' रुख के लिए भाजपा की केंद्र सरकार की आलोचना की और इसके कारण राज्य के कई मेडिकल परीक्षार्थियों के कथित रूप से आत्महत्या करने की घटनाओं का जिक्र किया। तमिलनाडु अपने छात्रों के लिए नीट में छूट की मांग कर रहा है।

राज्यपाल के नीट समर्थक रुख के कारण हम उनकी चाय पार्टी का बहिष्कार करेंगे : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्यपाल आर एन रवि के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) समर्थक रुख की कड़ी निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि राज्य सरकार स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल द्वारा आयोजित की जाने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार करेगी। रवि ने दो दिन पहले कहा था कि 'यदि उनके पास शक्ति हो', तो वह नीट से राज्य को छूट देने के प्रावधान वाले राज्य सरकार के विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देंगे। इस विधेयक को अभी राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। स्टालिन ने रवि के बयान की निंदा करते हुए कहा कि राज्यपाल के बयान ने विद्यार्थियों और युवाओं को स्तब्ध कर दिया है। उन्होंने कहा, राज्यपाल का बयान गैर जिम्मेदाराना है और तमिलनाडु के सात साल पुराने नीट विरोधी संघर्ष को कमतर करता है।

रवि उच्च शिक्षा विभाग में भी भ्रम पैदा कर रहे हैं और उनकी नीट समर्थक टिप्पणी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के 'सपनों को नष्ट' करने के समान है। राज्यपाल के नीट समर्थक सार्वजनिक रुख के प्रति राज्य सरकार के विरोध को दर्ज कराते हुए स्टालिन ने कहा, हमने 15 अगस्त को उनकी मेजबानी में आयोजित की जाने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार करने का फैसला किया है।

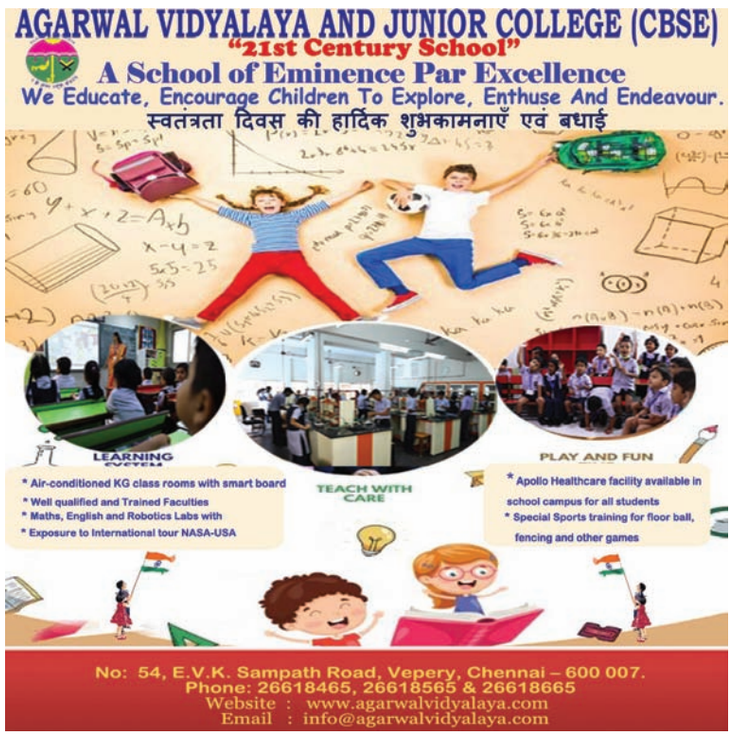

नीट के अभ्यर्थी को अंतिम क्षण तक परीक्षा में सफल होने की उम्मीद थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक 19-वर्षीय जगतेश्वरन को आखिरी क्षण तक राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) में सफल होने की उम्मीद थी, लेकिन अचानक उसने अपना निर्णय बदला और आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे तमिलनाडु में लोग सदमे में हैं। जगतेश्वरन के पिता भी बेटे की मौत से उबर नहीं पाए और उन्होंने भी जान दे दी। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले तक जगतेश्वरन अपने तीसरे प्रयास में परीक्षा पास करने को लेकर पूर्णतया आश्वस्त था और उसने अपने पिता को यहां एक कोचिंग सेंटर में फीस का भुगतान करने के लिए मना लिया।

जगतेश्वरन के पिता पी. सेल्वाशेखर ने रविवार को संवाददाताओं से कहा था, मैंने यह भी सुझाव दिया था कि वह पढ़ाई के लिए अपने भाई के साथ विदेश जाए, लेकिन उसने कहा कि वह फिर से परीक्षा देगा और अर्हता अंक प्राप्त कर लेगा तथा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेगा। सेल्वाशेखर अकेले ही अपने बच्चों की परवरिश कर रहे थे और पेशे से 'इवेंट' फोटोग्राफर थे। लेकिन शनिवार की रात को जब फोन पर सेल्वाशेखर का अपने बेटे से संपर्क नहीं हो पाया तो उन्होंने अपने एक दोस्त और एक फोटोग्राफर सहयोगी से मदद मांगी और यह पता करने को कहा कि उनके बेटे ने उनके फोन कॉल का जवाब क्यों नहीं दिया।

जगतेश्वरन को यहां क्रोमपेट के कुरिंजी नगर स्थित मकान में फंदे से लटका हुआ पाया गया था। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि 48-वर्षीय सेल्वाशेखर अपने बेटे की मौत का गम बर्दाश्त नहीं कर पाए और बेटे का अंतिम संस्कार करने के बाद रविवार रात उन्होंने भी अपने घर में फंदे से लटककर जान दे दी। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन पुलिस की पूछताछ से पता चला कि जगतेश्वरन ने 2021 में सीबीएसई स्कूल से 12वीं पास की थी और 500 में से 427 अंक हासिल किए थे। इसके बाद वह दो बार नीट की परीक्षा में बैठा, लेकिन असफल रहा। चितलापक्कम पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

सफल जीवन और जीवन में सफलता के फर्क को समझें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के तत्वावधान में आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी स्वामी के सान्निध्य में 'एक्सप्लोर – द पावर विदिन' का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया। मुनिश्री हिमांशु कुमारजी के मंगल मंत्रोच्चार के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में सफल जीवन एवं जीवन में सफलता के अंतर को उदाहरणों के माध्यम से प्रकाशित किया। आपने कहा कि आज हर व्यक्ति आलस्य, खालीपन, डर और चिंता से ग्रसित है, इन सब से मुक्ति पाने के लिए व्यक्ति को स्वयं के अंदर से परिवर्तन करना अपेक्षित है।

किसी की प्रेरणा से व्यक्ति केवल कुछ कदम चल सकता है पर यदि व्यक्ति खुद की अंतः प्रेरणा से चलने का प्रयत्न करे तो मंजिल तक पहुंच सकता है। इस हेतु मनुष्य को अपने अंदर छिपी शक्तियों को पहचानना होता है जो उसके जीवन को सफल बना सकें।

मुनिश्री ने आगे सफलतम जीवन के लिए तीन सूत्रों की विशेष चर्चा की – थिंक बिग, स्टार्ट स्मॉल एवं स्केल कंसिस्टेंटली। कार्यशाला में लगभग 100 संभागियों ने भाग लिया। जंबल वर्ड्स एवं लोगो क्विज के विजेताओं को तेयुप अध्यक्ष रजत बैद, उपाध्यक्ष विवेक मरोठी एवं मंत्री रोहित कोठारी ने पुरस्कारों से सम्मानित किया। संयोजक राकेश कुमार चोरड़िया ने विशेष श्रम नियोजित किया। उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, सहमंत्री संदीप चोपड़ा, कोषाध्यक्ष तरुण पटावरी, विमल धारीवाल, मोहित सुराणा का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ । कार्यशाला में प्रदीप चौपड़ा, मनीष भंसाली, प्रकाश सालेचा, पंकज भंडारी, अमित भंडारी आदि कार्य समिति सदस्य एवं साधारण सदस्यों के साथ श्रावक श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

शहीद के परिजनों का अभिनंदन समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में एकल श्रीहरी वनवासी विकास फाउंडेशन द्वारा शहीद परिवार अभिनंदन समारोह कार्यक्रम रखा गया था जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत ॐ मंत्र से की गई। गणेश वंदना नीरा लड्डा और आशा बिसानी ने किया। इंदु ने 'ए मेरे वतन...आबाद रहे' देश भक्ति का गीत से सभी का दिल जीत लिया।

दीप प्रज्वलन एकल अभियान के प्रणेता श्याम गुप्त, एकल ग्राम संगठन के अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, फेडरेशन ऑफ़ कर्नाटक चैम्बर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश चंद्र लाहोटी, फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण काबरा, मुख्य अतिथि नेचुरल रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, सूबेदार जोगेंद्र सिंह सेंगर, वनबंधु परिषद दक्षिण जोन के अध्यक्ष रमेश अग्रवाला, मुंबई चैप्टर से विजय केडिया, बेंगलूरु चैप्टर प्रेसिडेंट सुरेश कुमार मोदी, महिला समिति की प्रेसिडेंट कांता सोमानी, आईवीएफ महिला समिति की प्रेसिडेंट रितु अग्रवाल ने किया।

महिला समिति की अध्यक्ष कांता सोमानी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महिला समिति बेंगलूरु का गठन अप्रैल 2023 में हुआ। इतने कम समय में 50 से ज्यादा समिति सदस्य जुड़ चुके हैं। कर्नाटक के 750 ग्राम में श्रीहरि सत्संग समिति संस्कार केंद्र की गतिविधियां चल रही है। राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण काबरा ने संपूर्ण वनवासी विकास फाउंडेशन की गतिविधियों की जानकारी दी। एकल ग्राम संगठन के प्रमुख कमलकांत शर्मा ने कहा कि एकल अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। अपने सेना के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा पहले जम्मू कश्मीर में हालात बहुत खराब थी। आज मजबूत सरकार के निर्णय से जम्मू कश्मीर में शांति बहाल हुई है, देश में सेना का सम्मान बढ़ा है। एकल अभियान के प्रणेता श्याम गुप्त ने वर्तमान हालातों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के अमृत काल में भी आजादी का लाभ अर्थात सरकारी योजना का सीधा लाभ वनवासी व ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे इसका ख्याल एकल अभियान कर रहा है। उन्होंने कहा कि जितने भी परिवार का सम्मान किया जा रहा है वें सभी ग्रामवासी है। आजादी का पहला हक उनको देना चाहिए। उनका मानना है कि हमें उन्हें मिलकर प्यार और स्नेह करते रहना चाहिए।

कर्नाटक में संचालित एकल विद्यालय के ग्राम से 32 परिवार जो वनवासी क्षेत्र से आते हैं उन्हें नेचुरल रेमेडीज की तरफ से 21,000/- का चेक और अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला समिति की ओर से उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एकल अभियान आयाम के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण, दक्षिण जोन के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता, एकल श्रीहरि वनवासी विकास फाउंडेशन की महिला समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया था। मंच संचालन सचिव पूजा पाण्डिया और सरिता लखानी ने किया। धन्यवाद रेखा मूंदड़ा ने किया।

छोटा सा अनुष्ठान भी विधि पूर्वक किया जाए तो फलदायी बनता है : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सोमवार को जे.पी.पी. श्रमणी भवन में श्रद्धा भाव से सुनने आये श्रावक एवं श्राविकाओं को पांच अभिगम के बारे में समझाते हुए मुनिश्री राजपद्मसागरजी म .सा. ने कहा कि पहला अभिगम है सचित का त्याग करना। अचित का अत्याग करना। अंजलिबद्ध प्रणाम करना। उत्तरासन यानी कंधे के ऊपर केश रखना और प्रणिधान। इस प्रकार से पांच अभिगम की पालना करते हुए, परमात्मा का अनुष्ठान करना चाहिए। छोटा-सा भी अनुष्ठान अगर शुद्धिपूर्वक, आचार शुद्धि एवं भावशुद्धि के साथ करेंगे तो वह अधिक फल देन वाला बनता है। उन्होंने कहा कि हम ज्यादातर देखादेखी में धर्म करते हैं। देखादेखी में धर्म नहीं करना चाहिए। जिनवाणी के अनुसार धर्म क्रिया और अनुष्ठान के हिसाब से धर्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम डॉ. की दी गई दवाई को पूरे विश्वास के साथ लेते हैं वैसे ही अरिहंत परमात्मा के वचनों के ऊपर पूर्ण विश्वास रखकर धर्माराधना करनी चाहिए।

आज पुष्प नक्षत्र में ऋषि मंडल स्तोत्र का पाठ द्वारा मुनिश्री ने उसकी महिमा बतलाई। मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा ने कहा शुद्ध भावो से अरिहंत परमात्मा की पूजा करे तो मन के संताप दूर होते है, मन में प्रसन्नता आती है, इसीलिए प्रभु की पूजा करते समय मन को शुद्ध रखना है। संघ सचिव नरेंद्र आछा ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर गुरुदेव की निश्रा में विशेष आयोजन किया गया है।

'जिनशासन में जन्म के साथ ही बहुत सौभाग्य मिला है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में मुनिश्री मेरुपद्मसागरजी के जन्म दिवस पर आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरिजी ने कहा कि हम जिनशासन का हिस्सा है। इस जिनशासन ने हमें वास्तविक जीवन दिया है। कई जन्मों में ठोकरे खाते हुए भटक-भटक कर अब भाग्य से यह जन्म हमने पाया है और जन्म पाते ही यहां बहुत कुछ पाया है। उन सब में हमें जिनेश्वर भगवान से कथित-प्ररूपित जिनशासन को पाना हमारा भाग्य-सौभाग्य ही नहीं अपितु परम सौभाग्य है।

जिनशासन को तो पाया किन्तु इतनी लायकात न होने के बावजूद जिनशासन ने और चतुर्विध संघने हमें अपनाया। हमें अपना माना और इतना प्यार दिया यह अनमोल है। एक परिवार के सदस्य की जैसी और जितनी देखभाल-आवश्यकताओं की पूर्ति और सेवा चाकरी जितनी होती है उससे भी कहीं ज्यादा हमारी सवा भक्ति की जा रही है। सच में जिनशासन महान है। संघ महान है। इस शासन के लिए इस संघ के लिए इनकी स्तुति गुणगान के लिए हमारे पास शब्द नहीं है।

आज के दिन ही नहीं जन्मों जन्म तक हम इस संघ के शासन के ऋणी है। इस शासन और संघ के प्रति हम नतमस्तक है। इन नाकुछ जीवों को अस्तित्व देकर हमें आज महान बनाया है। इतना ऊंचा दर्जा दिया है। गौरव दिया है। इस अवसर पर अर्हमपद्मसागरजी, संघ के अध्यक्ष प्रकाश, अशोक ने मंगल कामनाएं दी जन्म दिन के निमित्त कई प्रकार के धार्मिक आयोजन हुए।

जीतो महिलाओं द्वारा डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षण प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय योजना सेंटर फॉर एक्सिलेंस के अन्तर्गत कौशल विकास हेतु ऑनलाईन डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। तीन सप्ताह का यह कंप्यूटर शिक्षा प्रशिक्षण शिविर आईटी गुरुजी के प्रशिक्षण में आयोजित हो रहा है और इसमें देश-विदेश के कई लोग जुड़कर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आईटी गुरुजी के संस्थापक समकित पारिख प्रशिक्षुओं को मार्केटिंग में डिजिटल तकनीक द्वारा अपने व्यवसाय एवं उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने के तरीके समझायेंगे।

उन्होंने शिविर प्रारंभ पर कहा कि आज सबकुछ ऑनलाइन होता जा रहा है। आज हम शॉपिंग, टिकट बुकिंग, रिचार्ज, बिल पेमेंट आदि जैसे कई काम हम इंटरनेट के ज़रिये कर रहे है। आज हम बाजार पर नज़र डालें तो लगभग 80 प्रतिशत ग्राहक किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले या सर्विस लेने से पहले ऑनलाइन रिसर्च करता है। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग क्या है, उसके लाभ, टूल्स आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप, वैबसाइट विज्ञापन या किसी ओर एप्लीकेशन द्वारा हम इससे जुड सकते हैं। व्यापारी जो अपना सामान बना रहा है, वो आसानी से ग्राहक तक पहुंचा रहा है और इससे डिजिटल व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले विज्ञापन के लिए अख़बार, पेम्फ़लेट, बेनर, होल्डिंग्स और विज्ञापन ऑटो आदि का सहारा लेना पड़ता था परंतु अब सीधा उपभोक्ता तक सामान भेजा जा सकता है। हर व्यक्ति गूगल, फेसबुक, यूट्यूब आदि उपयोग कर रहा है, जिसके द्वारा व्यापारी अपना उत्पाद-ग्राहक को दिखाता है इस तरीके से व्यापार सबकी पहुंच में आता जा रहा है। इस त्रिसाप्ताहिक प्रशिक्षण में आईटीगुरु प्रशिक्षुकों को सर्च इंजन औप्टीमाइज़ेशन या ऽएज, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, ईमेल मार्केटिंग, यूट्यूब चेनल, अफिलिएट मार्केटिंग, पे पर क्लिक, एडवर्टाइज़िंग, एप्स मार्केटिंग के बारे में सिखायेंगे।

जीतो अपेक्स महिला विंग निदेशक सुनीता बोहरा एवं अध्यक्ष संगीता ललवानी ने महिलाओं के इस व्यावसायिक प्रयास पर शुभकामनाएँ संप्रेषित की। राष्ट्रीय महामंत्री शीतल दुग्गड ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग एक ऐसा माध्यम बन गया है जिससे कि व्यापार को बढ़ाया जा सकता है। शिविर का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया ने महिला विंग के इस आयोजन की सराहना की। संयोजिका भाविका कोठारी एवं सह-संयोजिका तनुजा मेहता ने प्रशिक्षक का परिचय दिया एवं संचालन किया। सुष्मिता सेठिया, किरण लुनिया, रेखा जैन, कोमल बोथरा, जिग्ना कपासी आदि लगभग 67 प्रशिक्षुक इसमें जुड़े। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया तथा आभार महामंत्री सुमन वेदमुथा ने व्यक्त किया।

इन्द्रा किंग्स बनी एसपीएल सीजन-3 की चैम्पियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बेलेपेट सीरवी यूथ एसोएिशन के तत्वावधान में सीरवी प्रीमियर लीग एसपीएल सीजन 3 का आयोजन रविवार को विद्यारयणपुरा रोड़ स्थित बेल मैदान हुआ। इस प्रतियोगिता में सीरवी समाज की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में एसआर सुपर किंग्स टीम का मुकबला इन्द्रा किंग्स टीम से हुआ था। जिसमें इन्द्रा किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसपीएल सीजन 3 ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। वही उपविजेता एस. आर. किंग्स रही। इस अवसर पर इन्द्रा किंग्स टीम के प्रयोजक इन्द्रलाल सोलंकी सुकंटकट्टे ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विजेता व उपविजेता टीम को कप प्रदान किया गया तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरूस्कार दिया गया। बलेपेट बडेर के अध्यक्ष हरीराम गहलोत ने सभी विजेताओं को धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता के आयोजक भंवरलाल सोलंकी ,किशोर परिहारिया, प्रकाश सोयल, विनय काग, दीपक देवड़ा, संजु मुलेवा, प्रमोद राठौड़, ललित परिहारिया, दिनेश एलआईसी परिहार, मीठालाल परिहार, अनिल हाम्बड़, रमेश आगलेचा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बलेपेट वडेर के उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, खेल मंत्री कैलाश भायल, खेल मंत्री दुदाराम काग, सह-सचिव भंवरलाल गहलोत, राजूराम बर्फा, सुरेश सेंणचा उमेद सीरवी, पूर्व सचिव नारायणलाल लचेटा, महालक्ष्मी लेआउट नवयुवक मंडल के अध्यक्ष बाबूलाल सीरवी, सुकंदकट्टे बडेर के अध्यक्ष रूगाराम चोयल, सचिव हनुमानराम बर्फा, सीरवी कर्नाटक महासभा के अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

अगले शैक्षणिक वर्ष से कर्नाटक में एनईपी को खत्म कर दिया जाएगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि वह अगले शैक्षणिक वर्ष से पिछली भाजपा सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को खत्म कर देगी। पार्टी सदस्यों की आम बैठक का उद्घाटन करने के बाद केपीसीसी कार्यालय में बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने घोषणा की, पिछली भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई एनईपी को अगले शैक्षणिक वर्ष से खत्म कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, एनईपी को खत्म करने से पहले कुछ आवश्यक तैयारी करनी होगी। चालू शैक्षणिक वर्ष में इसके लिए समय उपलब्ध नहीं था। चुनाव के बाद जब सरकार बनी तो शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि एनईपी को अचानक खत्म करने की स्थिति में छात्रों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए एनईपी इस शैक्षणिक वर्ष में जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोप लगाया, एनईपी को छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और व्याख्याताओं के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा ने राज्य में एनईपी को प्रयोगात्मक आधार पर लागू करके राज्य के छात्रों के हितों का बलिदान कर दिया है। सभी राज्यों में इसे लागू नहीं किया गया है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने घोषणा की थी कि कांग्रेस राज्य में एनईपी लागू नहीं करेगी। उन्होंने कहा था कि इसकी बजाय सरकार एक नई शिक्षा नीति बनाएगी। शिवकुमार ने नागपुर में मुख्यालय वाले आरएसएस से जोड़ते हुए एनईपी को 'नागपुर शिक्षा नीति' भी करार दिया था। शिवकुमार ने कहा, एनईपी पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए थी। मैं अपनी पसंद से एक शिक्षा विशेषज्ञ हूं। मैं शिक्षा संस्थान चलाता हूं तथा विभिन्न संस्थाओं में ट्रस्टी अथवा अध्यक्ष के पद पर हूं। मैं एनईपी को समझ नहीं पा रहा हूं। मैंने दो-तीन बार अध्ययन करने और समझने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। शिवकुमार ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों के साथ चर्चा के बाद भी एनईपी का सार समझ में नहीं आ रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोप लगाया था कि एनईपी का उद्देश्य छात्रों को सांप्रदायिक बातें सिखाना है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा था, कर्नाटक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में लगभग तीन साल लग गए। यू.आर. राव की अध्यक्षता वाली समिति बनी। सभी राज्यों से सहमति प्राप्त की गई। इसके बाद, कार्यान्वयन से पहले, एक टास्क फोर्स का गठन किया गया और फिर इसे उच्च और प्राथमिक शिक्षा में लागू किया गया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर फोटो प्रदर्शनी

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। 14 अगस्त को पूरे देश में 'विभाजन भयावह स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन की परिकल्पना विभाजन के पीड़ित लाखों लोगों की पीड़ा, पीड़ा और पीड़ा को प्रकाश में लाने के लिए की गई है। यह देश को पिछली शताब्दी में मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाने के लिए है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान भी गई थी। इसके उपलक्ष्य में, विभाजन प्रभावित लोगों की पीड़ाओं को प्रदर्शित करने के लिए सोमवार को एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी निंगय्या दानय्या शीशमब्रिमठ ने दीप प्रज्वलित कर फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता सेनानी स्व. देवेन्द्रकुमार हाकारी के पुत्र रविशंकर डी. हाकारी, स्वतंत्रता सेनानी स्व. जगन्नाथ राव कुलर्णी के पुत्र दत्तराज कुलकर्णी भी उपस्थित थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने स्वतंत्रता सेनानियों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। कुंडगोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एमआर पाटिल, हुब्बल्ली धारवाड़ सेन्ट्रल के विधानसभा सदस्य महेश तेंगिनाकाई, दपरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक यू. सुब्बाराव, हुब्बल्ली मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ (मुख्यालय) की अध्यक्ष डॉ. वंदना श्रीवास्तव, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ-हुब्बल्ली डिवीजन की अध्यक्ष रुचि खरे, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के. आसिफ हफीज, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक हरेथा एस. दपरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े और अन्य उपस्थित थे। हुब्बल्ली डिवीजन के धारवाड़, बेलगावी, विजयपुरा, होसपेटे, बल्लारी, वास्को डी गामा, गडग, कोप्पल, बागलकोट स्टेशनों पर भी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस हमें सामाजिक विभाजन, वैमनस्य के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

नैतिकता के नाम पर मारपीट के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने सुल्लिया में नैतिकता के नाम पर एक समूह द्वारा एक व्यक्ति के साथ कथित मारपीट किये जाने के संदेह में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मोहम्मद जलील (39) की शिकायत के आधार पर यह गिरफ्तारी की गयी है। जलील केरल के मलाप्पुरम का रहने वाला है तथा सुल्लिया के अरानथोडू में उसका रबर का बागान है। अपनी शिकायत में जलील ने कहा कि उसकी परिचित एक महिला मडिकेरी से आयी थी और उसने आराम के लिए किराये पर एक कमरे का इंतजाम करने में उसकी मदद मांगी। जलील के अनुसार, कमरा का इंतजाम कर जब वह अरानथोडू लौट रहा था तब पांच लोग कार एवं स्कूटर से आये और उन्होंने उसकी गाड़ी रोक दी।

शिकायतकर्ता का कहना है कि गिरोह के सदस्यों ने उसके साथ गाली-गलौज तथा मारपीट की तथा वहां से जाने से पहले जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में पांच व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तीन संदिग्धों-- लतीश, वर्षित एवं पुनीत की पहचान की गयी है। पुलिस के अनुसार, पुनीत को सोनानगेरी से गिरफ्तार किया गया।

सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर में 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सभी को आश्वस्त किया कि सरकार जनता की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने एक एक कर सभी लोगों से मुलाकात की, उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लेकर इस निर्देश के साथ अधिकारियों को दिए कि वे इनका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि परक निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने सभी को समस्या के समाधान का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनके रहते किसी को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है और सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें, और इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

पूर्वी लद्दाख विवाद : भारत व चीन ने सैन्य वार्ता की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले शेष स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने और क्षेत्र में तनाव कम करने के मद्देनजर सोमवार को नए दौर की सैन्य वार्ता की। सैन्य सूत्रों ने बताया कि कोर कमांडर स्तरीय 19वें दौर की बातचीत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारतीय क्षेत्र में चुशुल-मोल्डो में हुई।

पूर्वी लद्दाख में कुछ बिंदुओं पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तीन साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है। हालांकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। सूत्रों ने बताया कि बातचीत सुबह करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुई और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वार्ता जारी थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल रशीम बाली कर रहे हैं। इस कोर का मुख्यालय लेह में है। चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के कमांडर कर रहे हैं। इससे पहले, 23 अप्रैल को 18वें दौर की सैन्य वार्ता हुई थी जिसमें भारतीय पक्ष ने देपसांग और डेमचोक के लंबित मुद्दों पर जोर दिया था।

कांग्रेस और मुस्लिम लीग की 'करतूत का कलंक' है 'विभाजन की विभीषिका': नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को आरोप लगाया कि विभाजन की विभीषिका, कांग्रेस और मुस्लिम लीग की करतूत का कलंक है।

उत्तर प्रदेश के बरेली में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में नकवी ने यह भी कहा कि आजादी का जश्न, विभाजन के ज़ख़्म, जुर्म के अहसास के बिना अधूरा है।

उनका कहना था, इस जुर्म, जुल्म की जहरीली जुगलबन्दी के जाल' से आज भी सावधान रहने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया, कांग्रेस और मुस्लिम लीग की 'कम्युनल (सांप्रदायिक), क्रिमिनल (आपराधिक) करतूत का कलंक' है। नकवी ने कहा कि यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य के जहर को खत्म करने के लिए ना केवल प्रेरित करता है, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होती हैं।

आधारभूत अवसंरचना की परियोजनाओं में 'भ्रष्टाचार' देश को तबाही की ओर ले जा रहा है: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार के शासनकाल में आधारभूत अवसंरचना की परियोजनाओं में 'भ्रष्टाचार और लूट' देश को तबाही की ओर ले जा रहा है। उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षा की 'द्वारका एक्प्रेसवे' से संबंधित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने 'एक्स' (पूर्व नाम ट्वीटर) पर पोस्ट किया, भाजपा का भ्रष्टाचार और लूट देश को तबाही की ओर ले जा रहा है! मोदी सरकार के खिलाफ एक रिपोर्ट में कैग ने बताया है कि भारतमाला परियोजना में अनगिनत कमियां हैं, मापदंडों की अनुपालना नहीं हुई है, निविदा बोली प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन हुआ है, एवं धन का भारी कुप्रबंधन है। उन्होंने दावा किया, इस परियोजना में धोखाधड़ी का एक ज्वलंत उदाहरण द्वारका एक्सप्रेसवे है।

कैग ने खुलासा किया है कि इस परियोजना की लागत मूल रूप से 528.8 करोड़ रुपए अनुमानित की गई थी, लेकिन बाद में बढ़कर 7287.2 करोड़ रुपए हो गई – 1278 प्रतिशत की भारी वृद्धि !! खरगे ने आरोप लगाया कि बिना किसी विस्तृत रिपोर्ट के द्वारका एक्सप्रेसवे का मूल्यांकन और अनुमोदन किया गया।

प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को लगातार 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे जो अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले लाल किले से उनका आखिरी संबोधन होगा।

प्रधानमंत्री मोदी इस वार्षिक कार्यक्रम का उपयोग अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करने, प्रमुख योजनाओं का अनावरण करने और देश के लिए अपना भावी दृष्टिकोण रखने के लिए करते रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री 2014 के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास की रूपरेखा सबके सामने रख सकते हैं और आने वाले वर्षों के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने पिछले संबोधनों में भी किया है। प्रधानमंत्री के संबोधनों के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जाते रहे हैं, ऐसे में कहा जा रहा है कि इस बार के उनके संबोधन में भी आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कोई ना कोई राजनीतिक संदेश भी हो सकता है। मोदी स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधनों में विपक्षी दलों पर कोई सीधा राजनीतिक हमला करने से बचते रहे हैं, लेकिन उन्होंने अक्सर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दों पर विपक्ष पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों के कार्यकाल को वह नीतिगत पंगुता का दौर बताते रहे हैं और उसके बाद अपनी सरकार में शासन में आए बदलावों पर जोर भी देते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में अक्सर भारत के बढ़ते वैश्विक कद का उल्लेख किया है और राष्ट्रीय हित के साथ ही सुरक्षा और विदेश नीति पर भी प्रकाश डाला है। वर्ष 2014 में लाल किले की प्राचीर से अपने पहले स्वतंत्रता दिवस भाषण में उन्होंने स्वच्छ भारत और जन धन खातों जैसे कई नए कार्यक्रमों की घोषणा की थी। इसके बाद भी उन्होंने इस दिन कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराध और सामाजिक संघर्ष जैसी सामाजिक बुराइयों सहित कई मुद्दों पर नागरिकों के साथ जुड़ने की कोशिश की है।

कोसी बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने पर बिहार सरकार ने अलर्ट जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/सुपौल/सहरसा/भाषा। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद कोसी बांध से चार लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के मद्देनजर बिहार सरकार ने सोमवार को अलर्ट जारी किया। बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा के अनुसार, रविवार रात सुपौल जिले के बीरपुर में 4.62 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया जो लगभग तीन दशकों में एक दिन में छोड़े गए पानी की सर्वाधिक मात्रा है।

संजय ने संवाददाताओं से कहा, आखिरी बार हमने इसे अधिक पानी छोड़ा जाना वर्ष 1989 में देखा था जब 4.72 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। जैसा कि कोसी क्षेत्र में हमेशा से होता रहा है, यह नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि सुपौल जिले में पानी तेजी से बढ़ना शुरू हो गया है, जहां बीरगंज में लगभग दो बजे तड़के पानी छोड़ा गया। संजय ने कहा कि 'कल तक' निकटवर्ती सहरसा और खगड़िया में भूमि के जलमग्न होने की आशंका है। हालांकि, मंत्री ने यह भी कहा, हमारे विभाग के अधिकारी और इंजीनियर अलर्ट पर हैं और तटबंधों पर चौबीस घंटे गश्त की जा रही है। लोग टोल फ्री नंबर डायल करके हमारे कॉल सेंटर के माध्यम से भी हमसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों और तटबंधों के करीब रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। मंत्री ने वर्ष 2008 की बाढ़ की पुनरावृत्ति की आशंकाओं को खारिज कर दिया जब नदी के मार्ग में बदलाव के कारण कोसी क्षेत्र में बाढ़ आई थी, जिसमें लगभग 500 लोगों की जान चली गई थी और करीब 30 लाख लोग प्रभावित हुए थे।

भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को राजनीति में अपना उचित स्थान हासिल करना चाहिए और भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए। राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर 'इंदिरा फेलोशिप' के लिए आवेदन करने से जुड़ा एक लिंक भी साझा किया। 'इंदिरा फ़ेलोशिप' भारतीय युवा कांग्रेस की एक पहल है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को हमारे समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। 'इंदिरा फेलोशिप' महिलाओं को सशक्त बनाने और राजनीति में बदलाव लाने का प्रयास करती है। उन्हें राजनीति में अपना उचित स्थान लेना चाहिए और भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए – आधी आबादी, पूरा हक!

इटावा सफारी पार्क में शेरनी 'सोना' के पांचवें शावक की भी मौत

इटावा (उप्र)/भाषा। इटावा सफारी पार्क (पूर्व में शेर सफारी) में सोना नामक शेरनी के पांचवें शावक की भी मौत हो गई। सफारी पार्क की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इटावा सफारी पार्क की निदेशक दीक्षा भंडारी ने बताया कि शेरनी सोना के पांचवें शावक की भी मौत हो गई। शेरनी सोना ने पांच शावकों को जन्म दिया था, जिसमें चार शावकों की पहले ही मौत हो चुकी थी। भंडारी ने बताया कि शनिवार की शाम खाने में शावक को दूध दिया गया और दूध पीने के कुछ समय बाद उसने उल्टी कर दी। इसे देखकर सफारी के चिकित्सकों ने आनन-फानन में उसका उपचार शुरू किया। शावक का दो घंटे इलाज हुआ लेकिन उसने दम तोड़ दिया। शावक को बचाया नहीं जा सका। दीक्षा भंडारी ने बताया कि शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली भेजा गया है।

दुनिया एक दिन कन्याश्री दिवस को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के तौर पर मनाएगी : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की 'कन्याश्री' योजना एक 'ब्रांड' बन गई है और 'कन्याश्री दिवस' एक दिन दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

बनर्जी ने यहां 'कन्याश्री दिवस' की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, कन्याश्री' अब एक ब्रांड है और यह दुनिया भर में 'सुनहरे अक्षरों में लिखा' गया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस दिन (कन्याश्री दिवस) को भविष्य में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने उस गर्व के क्षण को याद किया, जब उन्हें इस योजना के लिए 2017 में संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार (यूएनपीएसए) प्राप्त हुआ था, जिसने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दुनिया भर के कई अन्य देशों को पीछे छोड़ दिया था। उन्होंने याद करते हुए कहा, जब हमने पुरस्कार जीता, तब मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने 'लोगो' तैयार किया था। कन्याश्री प्रकल्प का गीत मेरे द्वारा लिखा गया था। यह योजना पश्चिम बंगाल में आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों की 13 से 19 वर्ष की किशोरियों के लिए एक सशर्त नकद अंतरण योजना है, ताकि उनकी शादी 18 वर्ष की आयु के होने से पहले न हो सके। इसे 2012 में शुरू किया गया था।

'कन्याश्री प्रकल्प' ने अपने सुशासन के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रशंसा भी हासिल की है।

ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं शत्रुघ्न

पटना/भाषा। अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखना पसंद करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं और बनर्जी पार्टी की अध्यक्ष हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा का यह बयान उस सवाल के जवाब में आया जब उनसे पूछा गया कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कैसे देखते हैं। उन्होंने यहां पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह देश के लिए बहुत अच्छा होगा कि ऐसे समय में जब हमारे पास राष्ट्रपति के रूप में एक महिला हैं, तो प्रधानमंत्री के रूप में भी एक महिला ही हों। ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार नेता, जिनके पास जनाधार है, इस स्थिति में उपयुक्त रहेंगी।

लोकसभा में आसनसोल का प्रतिनिधित्व करने वाले सिन्हा ने लगे हाथ यह भी कहा, प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। मेरा कहना यह है कि हमारे पास यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में प्रतिभावान नेताओं की कोई कमी नहीं है।

चुनावी राज्यों में गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं का 'त्रस्त जीवन' असली मुद्दा : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के पक्ष में अच्छे परिणाम की उम्मीद जताते हुए कहा कि इन तीनों राज्यों में असली मुद्दे गरीबों, बेरोजगारों, किसानों व महिलाओं का 'त्रस्त जीवन' है और इन्हीं मुद्दों पर उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव में उतरेगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर सोमवार को सवाल उठाते हुए लिखा, मध्यप्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस व भाजपा के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप, मुकदमों आदि की राजनीति से कमरतोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शोषण-अत्याचार आदि जनहित से जुड़े ज्वलंत मुद्दों का चुनाव के समय पीछे छूट जाना कितना उचित? ऐसा क्यों? अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि भाजपा-शासित मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि कांग्रेस शासित राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा है।

गोली लगने से घायल भाजपा नेता की मौत, झारखंड में विरोध प्रदर्शन

लातेहार (झारखंड)/भाषा। गोली लगने से घायल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की सोमवार सुबह मौत हो गई। इसके बाद लातेहार जिले में भाजपा नेता के समर्थकों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। लातेहार जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू को शनिवार शाम बालूमाथ इलाके में दून स्कूल के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी।

लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंजनी अंजन ने कहा कि साहू को कमर, पेट और पैर में गोली लगी थी। सोमवार तड़के रांची के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जैसे ही साहू की मौत की खबर उनके समर्थकों तक पहुंची, उन्होंने मुरपा मोड़ के पास चतरा-रांची व बालूमाथ-पांकी सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए। साथ ही सड़क किनारे खड़े एसयूवी में भी आग लगा दी।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 25-26 अगस्त को पटियाला में, किसी भी पहलवान को छूट नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में कुश्ती का संचालन कर रही तदर्थ समिति ने सोमवार को बताया कि विश्व चैम्पियनशिप के लिए 25 और 26 अगस्त को पटियाला में ट्रायल का आयोजन होगा जिसमें किसी भी पहलवान को छूट नहीं मिलेगी।

एशियाई खेलों के ट्रायल से बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को दी गई छूट से भारी हंगामा हुआ था और कुश्ती जगत के अधिकांश लोगों ने तदर्थ समिति के इस फैसले की आलोचना की थी। समिति ने 16-24 सितंबर तक बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में किसी भी पहलवान को छूट नहीं देने की घोषणा की। विश्व चैम्पियनशिप के लिए खिलाडियों के चयन के लिए तय मानदंडों में तदर्थ पैनल ने कहा, 2022 और 2023 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय/रैंकिंग/एशियाई/विश्व चैंपियनशिप/राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और प्रतिभागी के अलावा 2021 टोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रतिभागी इस ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। बजरंग और विनेश ने अभी तक इस ट्रायल में शामिल होने का मन नहीं बनाया है

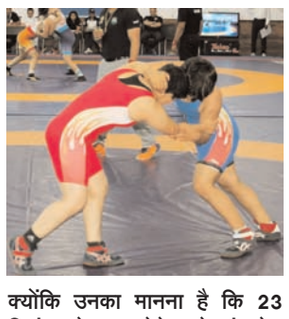

क्योंकि उनका मानना है कि 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेल बहुत करीब हैं। विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए पहली क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। खिलाड़ियों के नामों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तारीख 16 अगस्त है लेकिन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों को लेकर अनिश्चितता के कारण समय सीमा बढ़ाने के भारत के अनुरोध को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है। तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने पीटीआई को बताया, यह एक ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है इसलिए हम ट्रायल में और देरी नहीं कर सकते थे। इससे भारत की प्रविष्टियां खारिज कर दी जाती। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इन चुनावों पर रोक लगा दी और मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। तदर्थ समिति से जारी बयान के मुताबिक, खिलाड़ियों का वजन स्पर्धा के दिन सुबह सात बजे होगा और उन्हें दो किलो की छूट दी जाएगी। ट्रायल निम्नलिखित श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा।

पुरुष फ्रीस्टाइल : 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 74 किग्रा, 79 किग्रा, 86 किग्रा, 92 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा।

ग्रीको-रोमन : 55 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 67 किग्रा, 72 किग्रा, 77 किग्रा, 82 किग्रा, 87 किग्रा, 97 किग्रा और 130 किग्रा।

हार्दिक पंड्या ने हार की जिम्मेदारी ली, कहा-अंतिम 10 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉडरहिल/भाषा। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वीकार किया कि उनकी धीमी बल्लेबाजी टर्निंग प्वाइंट साबित हुई जिसके कारण टीम अंतिम 10 ओवरों में लय खो बैठी। वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से यह मैच जीतकर शृंखला 3-2 से अपने नाम की। यह पंड्या की अगुवाई में पहला अवसर है जबकि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में द्विपक्षीय शृंखला गंवाई।

पंड्या ने 18 गेंदों पर 14 रन बनाए। उन्होंने मैच के बाद कहा, हमने अंतिम 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मैंने क्रीज पर पांव जमाने में समय लिया और फिर अंत तक नहीं टिका रहा। मैं फायदा नहीं उठा पाया। पंड्या ने धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है एक टीम के तौर पर हमें खुद को चुनौती पेश करनी चाहिए। हम इन मैचों से सीख लेते हैं। आखिरकार यहां या वहां एक शृंखला मायने नहीं रखती लेकिन लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होती है। पंड्या ने कहा, हमें अब वनडे विश्वकप में खेलना है और कई बार हारना अच्छा होता है। इससे आपको काफी सीख मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने जज्बा दिखाया। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं और हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हम इससे सीख लें।

सुविचार

जिंदगी पर अनमोल विचार
रिश्ता जो भी हो, मज़बूत
होना चाहिए, मजबूर नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखंड रहे यह ज्योति

आज का सूर्योदय अद्भुत है। आज जो हवा बह रही है, उसमें एक ख़ास तरह का एहसास है। इस सुबह को देखने के लिए हमारे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की आंखें तरस गई थीं। आज हम आज़ादी की जिन हवाओं में सांस ले रहे हैं, उसके लिए भारत मां की अनेक संतानों ने अपनी सांसों और धड़कनों को बलिदान किया था। उन असंख्य पुण्यात्माओं के चरणों में कोटि-कोटि नमन! समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! हम उन वीरों, वीरांगनाओं, तपस्वियों, बलिदानियों के संघर्ष और त्याग का ऋण नहीं उतार सकते, क्योंकि पूरे ब्रह्मांड में ऐसी कोई चीज़ नहीं है, जो उसके बदले पेश की जा सके। अगर हम उन सपनों को पूरा करने की दिशा में ईमानदारी से कोशिश करें, जिनके लिए उन्होंने अपना जीवन खपा दिया था, तो यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमें उन वीरों-वीरांगनाओं द्वारा प्रज्वलित ज्योति को अखंड रखना है, उसे आगे पहुंचाना है। उससे हर घर का अंधियारा दूर करना है। भारत को उन्नति, समृद्धि और सद्भाव के नवयुग में लेकर जाना है। यह आनंद का विषय है कि तमाम मुसीबतों, रुकावटों, चुनौतियों और अभावों के बावजूद आज हमारा देश प्रगति-पथ पर निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। अहंकार में डूबे जिन ब्रिटिश नेताओं ने कहा था कि 'भारतीय देश चलाने में सक्षम नहीं हैं', वे देख लें कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की जनता अपने मताधिकार से सरकार चुनती है। यही नहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भी भारतीय मूल के हैं। आज भारत के अत्याधुनिक उपग्रह अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में इसरो का लोहा दुनिया मान रही है। हमारा चंद्रयान-3 मानवता के कल्याण की दिशा में नया कीर्तिमान रचेगा। जब भारत को आज़ादी मिली थी तो अंग्रेज़ चाहते थे कि इसे ऐसे हालात में छोड़कर जाएं कि यह कई दशकों तक अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सके। देश का विभाजन करवा दिया था। अलगाववाद की आग भड़क उठी थी। ऐसे माहौल में हमारे नीति निर्माताओं ने देश को संभाला, उसे एकजुट किया और धीरे-धीरे सुधार करते हुए विकास की ओर लेकर गए।

यह देखकर गर्व होता है कि कोरोना महामारी में भारतीय वैक्सीन ने दुनिया के करोड़ों लोगों की जानें बचाई थीं। भारत के खेतों में उपजा अन्न दुनिया के कितने ही लोगों का पेट भर रहा है। भारतीय प्रतिभाएं दुनियाभर में छाई हुई हैं। विख्यात तकनीकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भारतीय मूल के हैं। कभी ऐसे हालात थे कि सुई से लेकर जहाज़ तक विदेशी कारखानों से बनकर आते थे। आज भारतीय कारखाने दुनिया को सामान निर्यात कर रहे हैं। भारत अपना फौजी साजो-सामान बनाने में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था शीर्ष पांच में शामिल हो गई है। यहां हमने जिस देश को पछाड़ा, वह ब्रिटेन था। निस्संदेह आज भी देश में कई समस्याएं हैं, जिनका समाधान करना बाकी है। देश में सांप्रदायिकता के विष को समाप्त कर एकता के वृक्ष को सद्भाव के अमृत से सींचना होगा। आज भारत वह देश है, जिसके पास भरपूर युवा शक्ति है, लेकिन बेरोजगारी हिम्मत तोड़ रही है। अगर युवा शक्ति को योग्यता के अनुसार काम मिले तो यह हमें बहुत तेजी से आर्थिक महाशक्ति बना सकती है। भ्रष्टाचार अब भी बड़ी समस्या बना हुआ है। हालांकि डिजिटलीकरण के कारण इससे लड़ने में मदद मिली है, लेकिन इस रोग से खूब सख्ती से निपटने की जरूरत है। कोरोना काल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी महसूस हुई। सरकारों को चाहिए कि वे इस दिशा में और गंभीरता से काम करें। आयुर्वेद और परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को भी प्रोत्साहन दें। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की कुत्सित मनोवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इनमें सुधार की दूर-दूर तक कोई संभावना नजर नहीं आ रही है, इसलिए सुरक्षा बलों व खुफिया तंत्र को अधिक शक्तिशाली बनाकर सदैव सतर्क रहना ही एकमात्र उपाय है। इसके अलावा बांग्लादेश व म्यांमार जैसे देशों से घुसपैठियों का आगमन रोकना होगा। भारत में जहां-जहां ऐसे लोग अवैध ढंग से निवास कर रहे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें स्वदेश भेजना होगा। अन्यथा ये भविष्य में शांति और सद्भाव के लिए खतरा बन सकते हैं। देश में कानूनी सुधार हो रहे हैं, जो प्रसन्नता की बात है। देश तीन तलाक, अनुच्छेद 370, 35ए जैसे अवरोधों से आगे बढ़ चुका है। अब समान नागरिक संहिता समेत अन्य सुधारों पर विचार करना चाहिए। हमारे स्वतंत्रता सेनानी, अमर बलिदानी और नीति निर्माता जैसा भारत बनाना चाहते थे, उसका मार्ग इन्हीं सुधारों से होकर निकलेगा।

ट्वीटर टॉक

गहलोत सरकार के कुशासन में नागौर के महाराज मोहनदास की निर्मम हत्या कर दी गई। कांग्रेस के जंगलराज में साधु-संत अपराधियों के लगातार निशाने पर हैं, पर राज्य सरकार उनकी सुरक्षा की अनदेखी कर रही है। इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

ये सत्ता के लालची। इनकी व्यथा और व्याकुलता को समझा जा सकता है। ये मोहब्बत की दुकान के ऐसे सौदागर हैं जो देश की जनता को शापित करते हुए राक्षस कह देते हैं। अब सुरजेवाला जैसे विवेकहीन नेताओं का बौद्धिक स्तर नकारात्मकता की हर सीमा लांघ गया है।

-अरुण सिंह

प्रेरक प्रसंग

बोझ और सुख

एक प्रोफेसर ने हाथ में पानी से भरा एक गिलास बच्चों को दिखाते हुए पूछा, 'यह क्या है?' छात्रों ने उत्तर दिया, 'गिलास।' प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, 'इसका वजन कितना होगा?' उत्तर मिला, 'लगभग सौ ग्राम।' फिर पूछा, 'अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा?' छात्रों ने जवाब दिया, 'कुछ नहीं।' 'अगर मैं इसे एक घंटे पकड़े रहूं तो?' छात्रों ने उत्तर दिया, 'आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।' उन्होंने प्रश्न किया, 'अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा?' तब छात्रों ने कहा, 'आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं।' प्रोफेसर ने कहा, 'बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा?' जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, 'यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। इसलिए सुखी जीवन के लिए आवश्यक है कि समस्याओं का बोझ अपने सिर पर हमेशा नहीं लादे रखना चाहिए।'

सामयिक

शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों में उच्च जीवन मूल्यों की स्थापना होता है। स्थानीयता और नवाचार आधारित शिक्षा ही मूल्य निर्माण की अवधारणा पर खरी उतरती है। आज की तारीख में बच्चों पर खूब नम्बर लाने का जैसा दबाव है, उसके सामने इस विषय में सोचने में भी डर लगता है।

शिक्षा-साहित्य और बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

शिक्षा क्या है ? यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब समय-समय पर बदलता रहा है। सबसे पहले शिक्षा मुक्ति का साधन थी, फिर चरित्र निर्माण का निमित्त बनी। बाद में रोजगार के संसाधन में तब्दील हो गई। किन्तु कोई भी व्यक्ति जीसे शिक्षा का ककहरा' भी पता होगा, वह ऐसी बात कहने की हिमाकत नहीं कर सकता कि पाठ्यपुस्तकें घोंटकर ढेर सारे नम्बर ले आना शिक्षा का मूल लक्ष्य है। जबकि आज की शिक्षा इसी मुकाम पर आ टिकी है।

शिक्षा स्वयं भटककर यहाँ नहीं पहुंची है, बल्कि बाजार की ताकतें और उसके फरेबी विज्ञापन तंत्र ने उसे यहाँ ला पटका है। सन 1995 में डंकल प्रस्ताव' पर हस्ताक्षर हुआ था और इसी के साथ सरकार के हर उपक्रम में बाजार के प्रवेश के दरवाजे खुल गए। फलस्वरूप शिक्षा के क्षेत्र में भी निजी क्षेत्र की पूंजी का दखल बढ़ने लगा, जिससे शिक्षा में बाजारीकरण का एक नया सिलसिला विकसित होने लगा। अबतक शिक्षा में इसकी जड़ें काफी गहरी हो चुकी हैं और इसने हाल के वर्षों में बच्चों, अभिभावक और शिक्षा पर कई गैर जरूरी चीजें थोपी हैं। मसलन दिखावटीपन, भविष्य के निराधार सपने, प्रतिद्वंद्विता, कोचिंग, अंधानुकरण आदि। इसकी कीमत अभिभावक अपनी गाढ़ी कमाई से तो बच्चे अपना बचपन गवां कर चुका रहे हैं। मगर फिर भी प्राइवेट स्कूलों का ऐसा आकर्षण है कि गरीबी रेखा के नीचे जीने वाले मजबूर परिवार के बच्चों के अतिरिक्त अन्य अधिसंख्य बच्चे इन्हीं स्कूलों के छात्र हैं। इनमें आधे से अधिक विद्यालय भारतीय लोक जीवन में विद्यमान ज्ञान को सिरे से खारिज करके बच्चों में उसके प्रति वितृष्णा का भाव पैदा करते हैं। कोढ़ में खाज वाली स्थिति यह है कि शिक्षा के नीति नियंता प्राइवेट शिक्षा को उचित दिशा देने के बजाय स्वयं भ्रम के शिकार हो रहे हैं। गावों में खास-खास सरकारी प्राइमरी स्कूलों को इंग्लिश मीडियम' का रुतबा बख्शना इसी का एक नमूना है। यहाँ यह देखना प्रासंगिक होगा कि करीब-करीब अशिक्षित परिवारों से आने वाले इन स्कूलों के छात्र एक अनजान भाषा के जरिए क्या और कितना सिख पाएंगे ? एक वक्त था, जब सामान्यत: शिक्षा के साथ गुणवत्ता, कौशल, मूल्य जैसे शब्द नहीं जुड़े थे। यह सब पूरी शैक्षिक प्रक्रिया के साथ दूध में शकर की तरह मिलेजुले होते थे। तब शिक्षा मूलतः सूचना और तथ्यों को एक मस्तिष्क से दूसरे मस्तिष्क तक स्थानांतरित करने तक सीमित थी। हमारे बचपन के दिनों में, यानी सातवें दशक के शुरुआती वर्षों तक यही शिक्षा थी। तब हमारे पास आज जैसी लकदक दुनिया भले न थी, मगर खेल का मैदान और गपशप का लम्बा-चौड़ा संसार था। पढ़ाई का दबाव तो नाममात्र का था, सेकंड क्लास में पास होना बड़ी बात थी। हम पढ़ते कम थे, सीखते ज्यादा थे। हम कई-कई दिनों तक चलने वाले विवाह आदि पारिवारिक आयोजन में खूब तफरी काटते थे। बाग, नदी, झील के आसपास घूमने के हमारे पास ढेरों अवसर होते थे। हम प्रकृति और परिवेश का अवलोकन करते थे और स्कूल से मिली जानकारियों या उस जैसी संज्ञाओं को यहाँ खोज निकालते थे। इस प्रकार स्कूल की पढ़ाई हमारे बोध की सीमा में प्रविष्ट हो जाती थी। ध्यान देने की बात है कि शिक्षा बोध तक पहुँचने के बाद ही मूल्य' में परिवर्तित होने की दिशा में आगे बढ़ती है। एन. सी. एफ.-2005 जो शिक्षा का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जोरदार ढंग से इंगित करता है-जब तक सीखने वाला पाठ को अपने जीवन संदर्भों से नहीं जोड़ लेता, तब तक वह सिर्फ सूचना बनी रहती है। सूचनाओं का परीक्षोपयोगी मूल्य होता है, किन्तु यह जीवन मूल्य में नहीं परिवर्तित हो सकती है।

एक बड़ी बात यह भी है, तब हमारी शामें किस्से-कहानियों के बीच गुजरती थीं। हमारे पास खेलगीत और पहेलियों के खजाने हुआ करते थे। विद्यालय में बालभारती, बालसखा, जीवन शिक्षा, राजाबेटा, रानी बिटिया, बेसिक बाल शिक्षा जैसी पत्रिकाओं के पैकेट साल में तीन-चार बार आते थे। हमारे बीच इनका वितरण होता था। यह हमारे पाठशाला के माहौल को मनोरंजन से भरपूर और बोधगम्यता से परिपूर्ण बनती थीं। इन पत्रिकाओं में छपने वाली वर्ग पहेलियों में छिपी नदियों, राजधानियों, इतिहास पुरुषों, वैज्ञानिकों, भाषाओं के नाम आदि जो हम खोजते थे, वह लम्बे समय तक हमारी स्मृति का हिस्सा बना रहता था।

शिक्षा मूलतः व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का उपक्रम है। व्यक्तित्व का बाह्य और आंतरिक दोनों पक्ष समाज स्वीकृत व्यवहार, आदतों, जीवन मूल्यों, आपेक्षाओं, सोच, मान्यताओं आदर्शों वगैरह का समुच्चय है। इसे अपेक्षाकृत स्तरीय, सुदृढ़, और गरिमापूर्ण बनाने में साहित्य कारगर हो सकता है, भारतीय चिंतन में इसके स्पष्ट प्रमाण पंचतंत्र में उपलब्ध हैं। यह ग्रंथ बताता है कि महिलारोप्य नगर का राजा अमरशक्ति कलाप्रवीण और बुद्धिमान था, मगर उसके तीनों पुत्र बहुशक्ति, उग्राशक्ति और अनंतशक्ति निरक्षर, मूर्ख और उद्दंड थे। सुमति नाम के मंत्री की सलाह पर राजा अमरशक्ति ने अपने पुत्रों को शिक्षित और सुशील बनाने के लिए विद्वान ब्राह्मण विष्णु शर्मा के हवाले कर दिया।

विष्णु शर्मा ने राजकुमारों को शिक्षा देने का कार्य आरंभ किया। इसके लिए उन्होंने कहानियों का आधार लिया। विष्णु शर्मा ने जीवन की ढेर सारी स्थितियों की कल्पना की और उसे केंद्र में रखकर मनोरंजक कहानियाँ गढ़ीं। किस स्थिति में कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, इसका कथाओं के जरिए निर्देशन किया। शिक्षा पूरी होते-होते विष्णु शर्मा अपने उद्देश्य में सफल हो चुके थे। महिलारोप्य नगर और अमरशक्ति की ऐतिहासिकता की खोज व्यर्थ है। पंचतंत्र' एक सच्चाई है। विद्वान इसे ईसा से दो सौ साल पहले की कृति बताते हैं। यह इस बात का जीता-जागता प्रमाण है कि भारतीय मनीषा बाइस सौ साल पहले जान चुकी थी कि शिक्षा में कहानियाँ महत्व पूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कोठारी आयोग (1964-66) के अध्यक्ष शिक्षाविद डॉ. दौलत सिंह कोठारी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था-बालसाहित्य पढ़ने से बच्चे की ज्ञान सम्बन्धी भावभूमि विस्तृत होती है और दृष्टिगोचर हो रहे वातावरण के प्रति वह अधिक संवेदनशील हो जाता है। यह बच्चों में प्रकृति, परिवेश और पर्यावरण के सजीव व निर्जीव घटकों को लेकर जिज्ञासा और जिम्मेदारी का भाव पैदा करता है। सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में इसकी महती भूमिका होती है। यह जो प्राइवेट क्षेत्र की शिक्षा ने ढेर सारे मार्क्स लाने की होड़ पैदा कर दी है, यह मूलतः शिक्षा में एक नकारात्मक हस्तक्षेप है। शिक्षाविद लम्बे समय से यह महसूस करने लगे हैं कि आज के बच्चों को अगर कल का बेहतर नागरिक बनाना है, संवेदनशील मनुष्य के रूप में ढालना है, उनके अन्दर सामाजिकता और समुदायिकता के गुणों की पुनर्स्थापना करनी है तो शिक्षा और बाल साहित्य के बीच जो दूरी बढ़ गई है, उसे खत्म करना होगा। बच्चों को ऐसा माहौल देना होगा, जहां वह पढ़ने-लिखने के साथ रचनात्मक भी बनें।

मुझे याद है, सन 1986 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' अस्तित्व में आई थी, तब स्कूलों का सौंदर्यीकरण हुआ था और ढेरों बालोपयोगी पुस्तकें विद्यालयों में भेजी गईं थीं। रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने भी आए थे। फिर देश के अधिकांश जिले 'डी.पी.ई.पी.' परियोजना से आच्छादित हुए। इसका लक्ष्य था कि विद्यालयीय गतिविधियों को इतना रम्य बना दिया जाए कि बच्चों को स्कूल पिकनिक स्पॉट प्रतीत हों। पढ़ाई-लिखाई का ढर्रा बदलने के लिए साधन' नामक ट्रैनिंग का जो माड्यूल था, वह कहानी-खेल और रोचक गतिविधियों पर आधारित था। इसके अंतर्गत बच्चों में सृजनात्मकता के विकास के लिए प्रतीक स्कूल से हर माह एक हस्तलिखित अखबार निकालने की बात थी। बौद्धिक विकास के परम्परागत साधनों-लोककथा, लोरी, खेलगीत, पहेली वगैरह को बच्चों के जरिए एकत्र करा के अभिलेखीकरण और संरक्षण की योजना भी शामिल थी। 'साधन' माड्यूल में एक बिंदु कहानी : एक सफल संभावना भी था, जिसमें विभिन्न विषयों के शिक्षण को रोचक बनाने में कहानी की भूमिका पर विषाद चर्चा थी। हालांकि यह परियोजना कार्यकारी मशीनरी के चलते सफलता का सोपान न चढ़ सकी। शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों में उच्च जीवन मूल्यों की स्थापना होता है। स्थानीयता और नवाचार आधारित शिक्षा ही मूल्य निर्माण की अवधारणा पर खरी उतरती है। आज की तारीख में बच्चों पर खूब नम्बर लाने का जैसा दबाव है, उसके सामने इस विषय में सोचने में भी डर लगता है। नई शिक्षा नीति-2020 की रिपोर्ट पाठ्यक्रम को छोटा, लचीला और रचनात्मक बनाने पर जोर देती है। यह प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा में देने की बात भी करती है। इसका नवाचार और स्थानीयता पर भी फोकस है। तात्कालिक दबाव से निकलने या रणनीति के तहत प्राइवेट स्कूल भी बच्चों को स्थानीयता और मातृभाषा का विकल्प देने के लिए तैयार हो रहे हैं। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या माँ-बाप अपनी महत्वाकांक्षा और अंग्रेजी के मोह से मुक्त होकर बच्चों को खुला आकाश देने को राजी होंगे ?

चिंतन

हर घर तिरंगा अभियान और ध्वज संहिता का मान

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहाँ से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए।

भारत की स्वतंत्रता के 76वें वर्ष के जश्न के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया है। अभियान में भाग लेते समय भारतीय ध्वज संहिता को समझना जरूरी है। 'हर घर तिरंगा' आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को तिरंगे को घर लाने और भारत की आज़ादी के 76वें वर्ष के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को 13 से 15 अगस्त 2023 तक अपने घरों में झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का फहराना/उपयोग/प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित होता है। भारतीय ध्वज संहिता राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के लिए सभी कानूनों, सम्मेलनों, प्रथाओं और निर्देशों को एक साथ लाती है। यह निजी, सार्वजनिक और सरकारी संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। अपना राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगा। इसको लहराते देख गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। इस के सम्मान में इसे सैल्यूट करने का मन चाहता है।

सबसे पहले 7 अगस्त 1906 कलकत्ता (अब कोलकाता) में लोअर सर्कुलर रोड' के पास पारसी बागान स्क्वायर पर पहला राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। उस समय इसमें लाल, पीले और हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियाँ बनी हुई थीं। इसके बाद, कई बदलावों से गुजरते हुए यह राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा इसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार किया गया। इसके मौजूदा स्वरूप को डिजाइन करने में स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकय्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौजूदा राष्ट्रीय ध्वज में सबसे ऊपर गहरा केसरिया, बीच में सफ़ेद और सबसे नीचे गहरा हरा रंग बराबर अनुपात में है। झंडे की चौड़ाई और लम्बाई का अनुपात 2:3 है। सफ़ेद पट्टी के केंद्र में गहरा नीले रंग का चक्र है, जिसका प्रारूप अशोक की राजधानी सारनाथ में स्थापित सिंह के शीर्षफलक के चक्र में दिखने वाले चक्र की तरह है। चक्र की परिधि लगभग सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर है। चक्र में 24 तीलियाँ हैं। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का कोई दुरुपयोग ना करे, कोई इनका अपमान न करे। इसी को ध्यान में रखते हुए साल 1950 में प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग रोकथाम) अधिनियम, 1950 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, सरकारी विभाग द्वारा उपयोग किये जाने वाले चिह्न, राष्ट्रपति या राज्यपाल की आधिकारिक मुहर, महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री के चित्रमय निरूपण तथा अशोक चक्र के उपयोग को प्रतिबंधित करता है। इसके बाद राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र समेत देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है।

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहाँ से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि ध्वज को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए। ध्वज का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुँह श्रोताओं की ओर हो तो ध्वज उनके दाहिने ओर हो। ध्वज किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए। ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए और फटा या मैला ध्वज नहीं फहराया जाता है। अगर ध्वज फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में मर्यादित तरीके से पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। ध्वज केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है किसी दूसरे ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊँचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा तिरंगे का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिये नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा ध्वज का उपयोग उत्सव के रूप में या किसी भी प्रकार की सजावट के लिये नहीं किया जाना चाहिये।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मौजूदा लड़ाई 'दानव व मानव' के बीच : खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां कहा कि देश में मौजूदा (राजनीतिक) लड़ाई 'दानव व मानव' के बीच ही चल रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश को जिम्मेदार प्रधानमंत्री चाहिए, एक प्रचार मंत्री नहीं। खेड़ा ने विश्वास जताया कि इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दुबारा जीतकर सरकार बनाएगी। खेड़ा ने पार्टी सांसद रणदीप सुरजेवाला के एक बयान के बारे में पूछे जाने यह बात कही। उन्होंने कहा, संसद में प्रधानमंत्री दो घंटे 13 मिनट बोले। हंसी ठिठोली, फूहड़ मजाक, नारेबाजी चल रही है...। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या हुआ, वह भी आपने देखा... तो आप मुझे बताइए यह दानव मानसिकता नहीं है तो क्या है?

इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दुबारा जीतकर सरकार बनाएगी। खेड़ा ने पार्टी सांसद रणदीप सुरजेवाला के एक बयान के बारे में पूछे जाने यह बात कही।

उन्होंने आगे कहा, इस देश के इतिहास में कई प्रधानमंत्री हुए.. अलग-अलग पार्टी के प्रधानमंत्री देखे हैं... ऐसा प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। एक तरफ देश का एक हिस्सा, एक कोना जल रहा हो और प्रधानमंत्री संसद में खड़े होकर मजाक कर रहे हों। उन्होंने कहा, मैं उनकी (सुरजेवाला की) बात से सहमत हूं कि आज जो लड़ाई चल ही है, जो संघर्ष चल रहा है वह दानव व मानव का चल रहा है... इसमें कोई शक की बात नहीं। इस देश को एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री चाहिए एक प्रचार मंत्री नहीं चाहिए। सुरजेवाला ने रविवार को हरियाणा के कैथल में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था, युवाओं के भविष्य को (मनोहर लाल) खट्टर और दुष्यंत चौटाला मंडी में बोली लाकर बेच रहे हैं...नौकरी मत दो, मौका तो दो। भाजपा, जजपा के राक्षसों, तुम लोग राक्षस हो। जो लोग भाजपा और जजपा को वोट देते हैं और भाजपा समर्थक हैं, वे राक्षस प्रवृत्ति के हैं।

अपनी इस टिप्पणी को लेकर भाजपा के निशाने पर आने पर उन्होंने सोमवार को कहा कि युवाओं के भविष्य पर 'बुलडोजर चलाने वाले' लोग 'असुर' नहीं तो क्या देवता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बात को तिल का ताड़ बनाया गया है और वह 'गीदड़ भभकियों' से डरने वाले नहीं हैं तथा जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। खेड़ा ने विश्वास जताया कि राज्य में हर चुनाव में सरकार बदलने का 'रिवाज' इस बार टूटेगा और सत्तारूढ़ कांग्रेस फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, अशोक गहलोत की योजनाओं को लेकर लोगों में जो प्रसन्नता दिखती है उससे हमारे मन में भरोसा बनता है कि इस बार रिवाज टूटेगा और कांग्रेस की सरकार फिर से आएगी।

मुख्य विपक्ष दल भाजपा द्वारा कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधे जाने पर खेड़ा ने कहा कि विडंबना है कि भाजपा वाले अपनी ही केंद्र सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी के आंकड़े नहीं पढ़ते। उन्होंने कहा, इनकी सरकार के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश या असम या अन्य राज्य में क्या हो रहा है? हमारी मानसिकता तुलना की नहीं है क्योंकि अपराध अपराध होता है गलत गलत होता है। लेकिन सरकार कितनी जागरूक है यह तुलना आप जरूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब भी ऐसी कोई वारदात हुई, अशोक गहलोत की सरकार ने त्वरित कार्रवाई करके एक उदाहरण पूरे देश को दिया कि कैसे सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। हम इनके जैसे नहीं हैं कि कठुआ में, उन्नाव में, हाथरस में कोई वारदात हो तो बलात्कारियों के साथ जाकर खड़े हो जाते हैं।

अभियान

हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के आह्वान पर देशभर में शुरू हुए अभियान के अंतर्गत सोमवार को चित्तौड़गढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए।

संत की चाकू घोंपकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। राजस्थान के नागौर में शर्मचार कर देने वाला मामला सामने आया है। हरिराम बाबा बगीची के महाराज मोहनदास की धारदार हथियार घोंपकर हत्या कर दी। फिलहाल कुचामन पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नागौर के डीडवाना में एक संत की की मर्डर का मामला कर सामने आया है।

हत्या बीते रविवार रात को हुई। जब लोग सुबह मंदिर पहुंचे तो उसी दौरान एक संत की डेड बॉडी फर्श पर पड़ी थी। संत के हाथ और पैर बांधे हुए थे। आंखों भी पट्टी से बंधी हुई थी। जानकारी के मुताबिक संत का नाम मोहनदास बताया जा रहा है। ये डीडवाना कुचामन के रसाल गांव के हरिराम बाबा की बगीची में पिछले 14 साल से सेवा कर रहे थे। बाबा के परिजन तिलोक राम ने कुचामन थाना पुलिस को बताया कि रविवार की रात आठ बजे महाराज और ग्रामीण आपस में बात कर रहे थे।

उसके बाद वह सोने के लिए कमरे में चले गए थे। गांव वाले भी बगीची से अपने-अपने घरों की ओर चले गए थे। सोमवार सुबह लोग दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचे तो लोगों ने महाराज जी को आवाज लगाई तो नहीं मिले। आखिरी में लोगों ने बगीची के अंदर जाकर देखा तो उनका हाथ, पैर और मुंह बंधा हुआ था और फर्श पर खून बिखरा हुआ था।

घटना की जानकारी श्रद्धालुओं ने कुचामन थाना पुलिस को दी। मौके पर कुचामन थाना पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कुचामन की राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी रखवाया है। पुलिस ने ही हिंदू संत के परिजनों को सूचना भी दी। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर घटना के कारणों को जानने के प्रयास में जुटी है।

तिरंगा यात्रा में सांसद जसकौर मीणा ने प्रदेश को सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। चौबीस घंटे में 17 महिलाओं की आबरू के साथ राजस्थान में खिलवाड़ हो रहा है। यह कहना है दौसा सांसद जसकौर मीणा का। सांसद ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा की जा रही बंदरबांट राजस्थान की जनता को भलिभांति समझ में आ रही है, जिसके चलते अब इस सरकार के छलावे में राजस्थान की जनता नहीं आने वाली।

तिरंगा यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दौसा सांसद जसकौर मीणा ने कहा कि आज का दिन पीएम मोदी का है। गत वर्ष से तिरंगा यात्रा शुरू की और तिरंगा यात्रा जिला मुख्यालय से शहर गली, गांव, गलियारों से लेकर आज दौसा शहर में तिरंगा यात्रा निकाली है। उन्होंने उन अमर शहीदों को याद कर आमजन को प्रेरित किया कि जिन्होंने अपने प्राण देश के लिए न्योछावर कर दिए। हमारे शहीदों को न भूलें, अपनी माटी और अपना सम्मान, यह भाव सबके मन में हो।

दौसा की माटी के सम्मान में एक पौधा सभी लगाएं। सभी कार्यकर्ता प्रान्त में जाएं और प्रान्त से प्रदेश की माटी दिल्ली तक लेकर जाएं। एक अमृत काल का वन बने। जसकौर मीणा ने कहा 16 अगस्त से हम अमृत काल में प्रवेश करेंगे। 2047 में भारतीय जनता पार्टी ही नहीं सम्पूर्ण राष्ट्र का सपना है कि देश जगत गुरु बने। संसार में सर्वोच्च प्रतिष्ठा प्राप्त भारत देश बने। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान है कि तिरंगे के प्रति सम्मान और साथ ही शहीदों का सम्मान हो। उन शहीदों की स्मृति जन जन के मन में उत्पन्न हो सके।

दौसा सांसद जसकौर मीणा ने प्रदेश कांग्रेस सरकार पर तंज कसा। उन्होंने प्रदेश में कांग्रेस सरकार की स्मार्टफोन मोबाइल योजना पर कहा कि वह तो कब से क्या क्या बांट रही है। चार साल से कांग्रेस सरकार का पता नहीं है कि क्या-क्या बांट रही है। बांटने के नाम पर धोखा, झूठ, फरेब है। माताओं, बहनों-बेटियों की रक्षा ये कांग्रेस सरकार नहीं कर सकी। प्रदेश भर के अंदर एक दिन में 17 केस महिला रेप और अपराध के सामने आए हैं, लेकिन सरकार मोबाइल योजना के तहत रेवड़ी बांट रही है। इससे जनता भ्रमित नहीं होगी। जनता ने ठान लिया है कि जो देश का सम्मान करें, नागरिकों का विकास करें और अंतिम पायदान पर खड़े गरीब आदमी की सुरक्षा करें, उसे संपन्नता दे। उसे ही चुनना है। राजस्थान की कांग्रेस पार्टी को जीत का भ्रम है। जनता उनके में कारनामों को देख रही है।

ईडी ने धनशोधन के आरोप में राजस्थान के पूर्व संयुक्त निदेशक को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के एक पूर्व संयुक्त निदेशक को उनके और अन्य के खिलाफ कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले से जुड़े धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि उसने राजस्थान की राजधानी जयपुर और उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में पूर्व संयुक्त निदेशक वेद प्रकाश यादव के परिसरों की तलाशी ली थी और फिर नौ अगस्त को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यादव को जयपुर में धन शोधन रोकथाम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया गया जिसने उन्हें 14 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। यादव के खिलाफ धन शोधन का ईडी का मामला राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक प्राथमिकी पर आधारित है। ब्यूरो ने जब यह प्राथमिकी दर्ज की थी तब वह सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात थे। एसीबी की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की यूआईडी शाखा में फाइलों की जांच के दौरान आलीमारी में दो बैग मिले थे। इनमें 500 रुपये और 2000 रुपये के नोटों में 2.31 करोड़ रुपये नकद थे।

ब्यूरो के मुताबिक जांच के दौरान यादव का 61.80 लाख रुपये मूल्य का एक किलोग्राम सोना भी मिला था। ईडी ने बताया कि एसीबी ने बाद में यादव के खिलाफ '31 मार्च, 1994 और 21 मई, 2023 के बीच 3.35 करोड़ रुपये की आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित' करने को लेकर आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने कहा कि उसने यादव के परिसरों पर मारे गए छापों के दौरान संपत्तियों की बिक्री के दस्तावेज, 'आपत्तिजनक' दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।

मुलाकात

संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी प्रवास के दौरान सोमवार को लोकसभा कैम्प कार्यालय में आमजन से मुलाकात करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

राजस्थान सरकार सबसे भ्रष्ट, रोजाना नये-नये 'घोटाले' सामने आ रहे : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने रविवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार को सबसे भ्रष्ट करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में रोजाना नये-नये घोटाले और बलात्कार के मामले सामने आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने आरोप लगाया कि देश में दर्ज उत्पीड़न और हत्या के 16 प्रतिशत मामले अकेले राजस्थान से हैं। वह इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने के लिए जयपुर पहुंचे थे।

जोशी ने संवाददाताओं से कहा, राजस्थान सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। बलात्कार के मामलों में राजस्थान शीर्ष पर है। भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र 16 से अधिक बार लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ठप हो गए हैं और राज्य में भाजपा सरकार की जरूरत है।

जोशी ने सवाल किया, अगर मुख्यमंत्री गहलोत गरीबों का भला करना चाहते हैं, तो साढ़े चार साल में ऐसा क्यों नहीं किया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं में विश्वास जगाते हुए कहा कि पार्टी राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

कोरोना से अनाथ बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर मिलेगी सरकारी नौकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन के प्रस्ताव को प्रशासनिक स्वीकृति दी है। कार्मिक विभाग के प्रस्ताव के अनुसार अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर पे मैट्रिक्स एल-9 में नियुक्ति दी जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार वह अनाथ बालक/बालिका नियुक्ति प्राप्त कर सकेंगे, जिनके

जैविक अथवा दत्तक ग्रहण करने वाले माता-पिता की मृत्यु कोरोना के कारण 31 मार्च, 2023 अथवा इससे पूर्व हो चुकी हो।

साथ ही, ऐसे अनाथ बालक/बालिका जिसके माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु पूर्व में हो चुकी हो तथा दूसरे की मृत्यु कोरोना के कारण 31 मार्च 2023 या उससे पूर्व हुई हो एवं अनाथ होने के समय जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक नहीं हो, को भी नियुक्ति दी जा सकेगी। प्रस्ताव में अनाथ के माता-पिता की मृत्यु की अंतिम दिनांक मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना-2021 में प्रावधित 15 अक्टूबर, 2022 से विस्तारित करते हुए 31 मार्च, 2023 की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में कोरोना के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर सरकारी नौकरी दिये जाने की घोषणा की थी।

गहलोत से मिले कर्मचारियों के 24 प्रतिनिधिमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विभिन्न विभागों के राजकीय कर्मचारियों के 24 प्रतिनिधिमंडलों ने मुलाकात की। गहलोत से मुख्यमंत्री निवास पर मिले इन प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने जीवन का महत्वपूर्ण भाग राजकीय सेवा में समर्पित करने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा देना राज्य सरकार का कर्तव्य है। उनका भविष्य शेयर मार्केट और म्यूचुअल फण्डस की अनिश्चितताओं के अधीन नहीं रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना के लागू होने से कर्मचारियों में अपने भविष्य के प्रति सुरक्षा की भावना आई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में प्रदेश में ओपीएस को बहाल करने का निर्णय लिया गया है। केन्द्र सरकार को भी अपने कर्मचारियों के लिए मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना लागू करनी चाहिए।

इस मौके कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पुरानी पेंशन योजना लागू होने से अब सेवानिवृत्ति के बाद होने वाली आर्थिक असुरक्षा की आंशका से उन्हें और उनके परिवार को मुक्ति मिली है। इस अवसर पर रेसला, अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन संघ, रेस्टा, रेसा-पी (प्रधानाचार्य), रेसा-वीपी (उप प्रधानाचार्य), शिक्षक संघ प्रगतिशील, एनएमओपीएस, राजस्थान प्रबोधक संघ, सचिवालय कर्मचारी संघ, सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी संघ, तकनीकी कर्मचारी महासंघ, इन्टक (विद्युत), पीएचईडी कर्मचारी महासंघ, अखिल राजस्थान कर्मचारी महासंघ, पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद थे।

जयपुर केंद्रीय जेल में कैदी ने आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित केंद्रीय जेल में एक कैदी ने बाथरूम में फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। लाल कोठी पुलिस थाने के थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने कहा कि हत्या के दोषी संदीप पाराशर (35) ने रविवार शाम जेल के बाथरूम में ग्रिल से फांसी लगा ली। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया और आज पोस्टमार्टम कराया गया। उन्होंने कहा कि पाराशर दो महीने से अधिक समय तक जयपुर सेंट्रल जेल में था। अच्छे आचरण के आधार पर उसे कुछ महीने पहले जयपुर के सांगानेर की खुली जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था लेकिन वह वहां से भाग गया।

राजस्थान की 2 वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्वाधीनता दिवस-2023 के अवसर पर राजस्थान की 2 वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान करने की घोषणा की गयी है। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने इन सभी अधिकारियों को बधाई दी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स स्मिता श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस हाउसिंग बिनीता ठाकुर को राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चुना गया है।

प्रदेश के 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक के लिए चुना गया है। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बांसवाड़ा कान सिंह भाटी, सहायक पुलिस आयुक्त, जोधपुर मांगी लाल राठौड़, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस दूरसंचार अजमेर वेद प्रकाश बालोदिया, पुलिस निरीक्षक टेकरी उदयपुर अनिल कुमार रेवाडिया, पुलिस निरीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा जयपुर प्रशांत शर्मा, पुलिस निरीक्षक, एमटी पीएमडीएस बीकानेर गुरजिंदर सिंह शामिल है।

इसी प्रकार उप निरीक्षक, आरपीए जयपुर राम प्रसाद शर्मा, उप निरीक्षक, एसओजी जयपुर गोपाल लाल जांगिड़, उप निरीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा जयपुर सुरेंद्र सिंह शेखावत, प्लाटून कमांडर, जयपुर हवा सिंह, सहायक उप निरीक्षक, जयपुर कल्याण सहाय शर्मा, सहायक उप निरीक्षक डीएसबी जयपुर ग्रामीण बाबू लाल जाट, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी ङ्कङ्कएसएसबी जयपुर पप्पू कुमावत, कांस्टेबल, एमबीसी खेरवाड़ा उदयपुर नरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल, आरएसी जोधपुर छगना राम तथा कांस्टेबल एसओजी यूनिट अजमेर रामदेव को पुलिस पदक के लिये चुना गया है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.